ध्येय IAS®
most trusted since 2003

Your **Civil Services** journey begins here

Prospectus

www.dhyeyaias.com

CERTIFICATE OF EXCELLENCE

'Year after Year' Dhyeya IAS has been recognized for imparting guidance to civil services aspirants using benchmarked quality practices. On the basis of scalability, innovation, achievements and impact potential our efforts and contribution have been acknowledged by ***ET-NOW, The Times Group*** and ***India Today Group.***

Mr. Vinay Singh is receiving
Education Excellence Award from
Hon'ble UP Governor **Mr. Ram Naik**

Mr. Q.H. Khan is receiving
Education Excellence Award from
Mrs. Shobha Dey,
Brands Academy & ET NOW

ध्येयIAS
एक परिचय

ध्येय IAS की स्थापना श्री विनय सिंह और श्री क्यू.एच. खान द्वारा डेढ़ दशक पूर्व की गयी थी। अपनी स्थापना के समय से ही इस संस्थान की सफलता की कहानी अद्वितीय रही है। आज यह संस्थान सिविल सेवा की कोचिंग प्रदान करने वाले प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच एक उच्च स्थान रखता है। यह संस्थान, योग्य उम्मीदवारों द्वारा देखे गये उनके सपनों को साकार कराने में अतुलनीय सीमा तक सफल रहा है, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण पिछले वर्षों की सफल कहानियाँ हैं।

बड़ी संख्या में ऐसे छात्र हैं जो इस कठिन परीक्षा में शामिल होकर अपने भविष्य का निर्माण तो करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास उचित संसाधनों की कमी है। दूसरी तरफ कई छात्र ऐसे भी हैं जिनके पास एक मेधावी अकादमिक पृष्ठभूमि तो है लेकिन उन्हें इस तथ्य की जानकारी नहीं होती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं और अकादमिक परीक्षाओं में एक बड़ा अंतर होता है। सिविल सेवा परीक्षा विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक रूप से सुनियोजित मार्गदर्शन की अपेक्षा करती है। यहाँ सही दिशा में रखा गया एक कदम किसी को भी निर्विवाद रूप से मीलों आगे कर सकता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए ध्येय IAS अनुभवी एवं योग्य मार्गदर्शकों तथा विशेष रूप से तैयार की हुई पाठ्य सामग्री से सुसज्जित है, जो छात्रों को उनके ऐच्छिक लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता प्रदान करता है।

सिविल सेवा परीक्षा निर्दिष्ट विषयों पर आधारभूत ज्ञान की मांग करती है। यद्यपि ये विषय स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाये जाते हैं लेकिन उन कक्षाओं की दिशा इस परीक्षा की माँग के अनुरूप नहीं होती है। ध्येय IAS की कक्षाएँ दृष्टिकोण के मामले में स्कूलों और कॉलेजों की कक्षाओं से भिन्न होती हैं। हमारी कक्षाएँ इस विशेष परीक्षा पर केंद्रित होती हैं। ध्येय IAS में प्रदान की जाने वाली मार्गदर्शन कक्षाएँ, छात्रों को ध्यान केंद्रित रखने, सीखने और अन्वेषण की क्षमता में अभिवृद्धि करने मे सहायता प्रदान करती हैं, क्योंकि ध्येय IAS इस बात से पूर्णत: अवगत है कि आप किसी व्यक्ति को शिक्षा नहीं दे सकते बल्कि अपने अंदर उस शिक्षा को खोजने में उसकी मदद कर सकते हैं।

सौम्या पांडे
RANK-4

मैंने इस परीक्षा में, प्रथम प्रयास में ही चौथी रैंक प्राप्त की जिसका श्रेय मैं पूरी ध्येय IAS की टीम को दूंगी। मैं इस परीक्षा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिये विनय सर, खान सर, जावेद सर, अमित सर, विजय वेद सर, जय सर और ध्येय IAS के अन्य सभी फैकल्टी एवं स्टाफ की विशेष आभारी हूँ। यहाँ के अध्यापकों के द्वारा बतायी जाने वाली सही रणनीति एवं इनकी वचनबद्धता के कारण ही मैं प्रथम प्रयास में इतनी बड़ी सफलता प्राप्त कर सकी।

Director's Message

Mr. Vinay Kumar Singh

हम इस मंत्र में विश्वास रखते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है; प्रत्येक व्यक्ति निपुण है एवं प्रत्येक व्यक्ति में असीमित क्षमता है। ध्येय IAS हमेशा से आत्मप्रेरणादायक मार्गदर्शन को प्रोत्साहित करता रहा है जिससे कि छात्रों के भीतर ज्ञान का सृजन हो सके। शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य ज्ञान के सृजन, प्रसार एवं अनुप्रयोग को एकीकृत रूप में पिरोकर एक सह-क्रियाशील प्रभाव उत्पन्न करना है। ध्येय IAS हमेशा से ही छात्रों के भीतर मानवीय मूल्यों एवं सत्यनिष्ठा को विकसित करने का पक्षधर रहा है जिससे कि उनमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो और वे एक ऐसी परिस्थिति का सृजन करें जो न सिर्फ उनके लिए बल्कि समाज, राष्ट्र और विश्व के लिए भी बेहतर हो। ध्येय IAS नये और प्रभावशाली तरीकों से अपने इस मिशन को पूरा करने के लिए प्रत्येक छात्र को हर प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। इसके लिए हम निरंतर और निर्बाध रूप से अपने अध्ययन कार्यक्रम और शिक्षण पद्धति में परिवर्तन एवं परिमार्जन करते रहते हैं।

सिविल सेवा परीक्षा का पाठ्यक्रम प्रतियोगी छात्रों में केवल ज्ञान के प्रति जुनून ही नहीं उत्पन्न करता है बल्कि यथार्थ जीवन में उसका प्रयोग भी सिखाता है। ध्येय IAS प्रतियोगी छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करता है। साथ ही उनमें ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों का भी सृजन करता है।

Vinay Kumar Singh
CEO and Founder

मेरी सफलता में ध्येय IAS के विनय सर के व्यक्तिगत मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही है। आज परीक्षा में सामान्य अध्ययन की केन्द्रीय भूमिका है और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण व जटिल विषयों पर मेरी समझ विकसित करने में विनय सर का रचनात्मक योगदान रहा है।

लोकबन्धु
RANK-7

Director's Message

Mr Q H Khan

ध्येय IAS एक ऐसा संस्थान है जिसका लक्ष्य हमेशा से ही छात्रों के समग्र विकास का रहा है। हमारे संस्थान के शिक्षक अपने-अपने विषय के विशेषज्ञ होते हैं जिससे कि छात्रों को प्रत्येक विषय में अधिकतम मदद प्राप्त हो सके। यह एक ऐसा बहुमुखी संस्थान है जहां छात्रों को उच्चस्तरीय कक्षाओं और समृद्धशाली अध्ययन सामग्री के साथ-साथ हरसंभव सहायता उपलब्ध करायी जाती है।

आज ध्येय IAS सिविल सेवा परीक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी पहचान रखता है, क्योंकि हम उच्चस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन में विश्वास रखते हैं। हम छात्रों को ज्ञान की परिधि बढ़ाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करते रहते हैं ताकि वे पाठ्यक्रम के दायरे से सदैव दो कदम आगे रहें। हमारा मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनकी आन्तरिक क्षमता का बोध कराना होता है जिससे कि वे अपनी एक अलग पहचान बनाकर कल के समाज का कीर्तिमान बन सकें।

Q H Khan
Managing Director

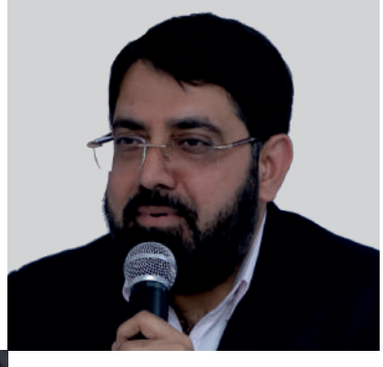

सूर्यपाल गंगवार
RANK-8

सामान्य अध्ययन मात्र कुछ विषयों एवं महत्वपूर्ण टॉपिक्स का गहन अध्ययन मात्र नहीं है बल्कि यह विभिन्न भागों के बीच तुलनात्मक अध्ययन और इस अध्ययन को व्यवहार एवं व्यक्तित्व का हिस्सा बनाने की प्रतिभा भी है। सामान्य अध्ययन के प्रति ध्येय IAS के श्री विनय सर के इस दृष्टिकोण ने मेरी सफलता में असाधारण योगदान दिया। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा।

सिविल सेवा परीक्षा: एक परिचय

सिविल सेवा परीक्षा भारत की सबसे प्रतिष्ठित और गरिमामय सेवा के लिए चयनित होने का अवसर प्रदान करती है। यह हमें सिर्फ एक प्रोफेशनल कैरियर ही नहीं अपितु देश और समाज के लिए कुछ अलग करने का अवसर भी प्रदान करती है। वस्तुत: प्रत्येक वर्ष देश के हर कोने से लाखों अभ्यर्थी अपने सपनों को साकार करने के उद्देश्य से इस परीक्षा में सम्मिलित होते हैं और अंतिम सफलता हेतु हर सम्भव प्रयत्न करते हैं। ऐसे में जो युवा अपने धुन के पक्के और लगनशील होते हैं, वे ही अपने सपनों को साकार कर पाते हैं।

सिविल सेवा परीक्षा भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS), भारतीय विदेश सेवा (IFS), भारतीय राजस्व सेवा (IRS) आदि जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा है जिसका आयोजन प्रत्येक वर्ष संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा किया जाता है।

परीक्षा का प्रारूप (Pattern of The Examination)

यह परीक्षा **तीन** चरणों में आयोजित की जाती है– **प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा** एवं **साक्षात्कार**

परीक्षा के चरण	आयोजन माह	विषय (प्रश्न पत्र)	पूर्णांक
प्रारम्भिक	जून/अगस्त	सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र I एवं II (CSAT)	प्रश्न पत्र-I= 200 प्रश्न पत्र-II= 200
मुख्य	अक्टूबर/दिसम्बर	निबंध सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I) सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II) सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III) सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) वैकल्पिक विषय (प्रश्न पत्र-I) वैकल्पिक विषय (प्रश्न पत्र-II)	250 अंक 250 अंक 250 अंक 250 अंक 250 अंक 250 अंक 250 अंक
			कुल-1750
		अनिवार्य-अंग्रेजी अनिवार्य-कोई भी एक भारतीय भाषा (8वीं अनुसूची में विहित)	300 (केवल उत्तीर्ण होना आवश्यक) 300 (केवल उत्तीर्ण होना आवश्यक)
साक्षात्कार	मार्च-मई	व्यक्तित्व परीक्षण	275 अंक
			कुल= 2025 अंक

नोट 1: प्रारंभिक परीक्षा के अंकों को मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार के लिए निर्धारित अंकों में शामिल नहीं किया जाता है।

नोट 2: अनिवार्य अंग्रेजी तथा भारतीय भाषा के अंकों को भी मुख्य परीक्षा के कुल अंकों में नहीं जोड़ा जाता है। विदित है कि अभ्यर्थी द्वारा मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त किये गये अंकों के आधार पर ही अंतिम चयन होता है।

प्रथम चरण (प्रारंभिक परीक्षा)

प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में

प्रारंभिक परीक्षा, सिविल सेवा के तीन चरणों का प्रथम एवं महत्वपूर्ण चरण है। यह वस्तुनिष्ठ प्रणाली आधारित परीक्षा है जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये होते हैं तथा अभ्यर्थी को सही उत्तर वाले विकल्प को चुनना होता है।

प्रारंभिक परीक्षा की संरचना

प्रारंभिक परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंक का होता है। प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है जबकि द्वितीय प्रश्नपत्र को प्रचलित रूप से सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा (CSAT) कहा जाता है।

प्रथम प्रश्न पत्र में सामान्य अध्ययन से संबंधित 100 प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित होते हैं। गलत उत्तर होने की स्थिति में एक-तिहाई नकारात्मक अंकन पद्धति की व्यवस्था होती है, अर्थात् तीन प्रश्नों के गलत उत्तर देने की स्थिति में एक सही उत्तर के बराबर अंक काट लिये जाते हैं। यही स्थिति द्वितीय प्रश्न पत्र (CSAT) में भी है। हालाँकि वहाँ पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या 80 होती है। सही उत्तर हेतु 2½ अंक मिलते हैं जबकि गलत उत्तर होने पर उसी प्रकार एक-तिहाई अंक काट लिये जाते हैं। वर्ष 2015 से प्रारंभिक परीक्षा के द्वितीय प्रश्न पत्र (CSAT) को क्वालिफाइंग (33 प्रतिशत) कर दिया गया है।

प्रश्न पत्र 1	अंक: 200 अवधि: 2 घंटे
⊙ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ	
⊙ भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन	
⊙ भारत एवं विश्व भूगोल - भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल	
⊙ भारतीय राजव्यवस्था और शासन व्यवस्था - संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकार संबंधी मुद्दे आदि।	
⊙ आर्थिक और सामाजिक विकास - सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।	
⊙ पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।	
⊙ सामान्य विज्ञान	

प्रश्न पत्र 2	अंक: 200 अवधि: 2 घंटे
⊙ बोधगम्यता	
⊙ संचार कौशल सहित अंतर - वैयक्तिक कौशल	
⊙ तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता	
⊙ निर्णयन और समस्या समाधान	
⊙ सामान्य मानसिक योग्यता	
⊙ आधारभूत संख्यात्मक अभियोग्यता (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार क्रम, आदि-दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता, आदि - दसवीं कक्षा का स्तर)	

प्रारंभिक परीक्षा कॅट-ऑफ

Category	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020
सामान्य वर्ग	209	241	205	107.34	116.00	105.34	98.00	98.00	92.51
आर्थिक कमजोर वर्ग	-	-	-	-	-	-	-	90.00	77.55
अन्य पिछड़ा वर्ग	190	222	204	106.00	110.66	102.66	96.66	95.34	89.12
अनुसूचित जाति	185	207	182	94.00	99.34	88.66	84.00	82.00	74.84
अनूसूचित जनजाति	181	201	174	91.34	96.00	88.66	83.34	77.34	68.71
दिव्यांग-1	160	199	167	90.66	75.34	85.34	73.34	53.34	70.06
दिव्यांग-2	164	184	113	76.66	72.66	61.34	53.34	44.66	63.94
दिव्यांग-3	111	163	115	40.00	40.00	40.00	40.00	40.66	40.82

उपरोक्त कॅट ऑफ परीक्षाओं में सम्मिलित विभिन्न छात्रों के तुलनात्मक प्रदर्शन पर निर्भर करता है। 2014 तक कट ऑफ पेपर-1 व पेपर-2 के अंकों को जोड़कर बनाया जाता था, परन्तु 2015 से CSAT को केवल योग्यता के लिए एक मानक बना दिया गया, जहाँ 33 प्रतिशत अंक लाना आवश्यक है, जिसके उपरान्त कॅट-ऑफ केवल पेपर-1 के अंकों के आधार पर बनाया जाने लगा।

TREND ANALYSIS

वर्ग (Category)	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020
भारत का इतिहास और स्वाधीनता आंदोलन	20	16	19	16	16	12	19	17	18
भारतीय संविधान व राजव्यवस्था	21	17	10	13	6	23	13	15	16
भारत और विश्व का भूगोल	17	18	20	18	3	7	9	14	10
पारिस्थितिकी, पर्यावरण और जैव-विविधता	14	14	20	12	16	12	11	11	17
भारत की अर्थव्यवस्था, आर्थिक और सामजिक विकास	14	18	11	16	15	8	15	14	14
सामान्य विज्ञान	10	16	12	9	7	8	12	7	10
राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की समकालीन घटनाएँ/विविध	04	01	08	16	37	30	21	22	15
कुल	100	100	100	100	100	100	100	100	100

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक वर्ष विभिन्न खण्डों से पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या में पर्याप्त अंतर है। उदाहरणस्वरूप आप देखते है कि वर्ष 2013-2015 तक भूगोल विषय से लगभग 17-20 प्रश्न पूछे जा रहे थे जबकि 2016 में सिर्फ 3 और 2017 में सिर्फ 7 प्रश्न पूछे गये थे, वहीं 2019 में 14 तथा 2020 में 16 प्रश्न पूछे गये। ठीक उसी प्रकार करेंट अफेयर्स से 2012-14 में 1-8 प्रश्न पूछे गये थे जबकि 2016 में 37 और 2017 में 30 प्रश्न पूछे गये थे तथा 2019 में 22 और 2020 में 15 प्रश्न पूछे गये। इससे यह पूर्णत: स्पष्ट है कि 'Selective Study' के तहत हम किसी खंड की उपेक्षा नहीं कर सकते अपितु सभी खंडों पर पर्याप्त बल देने की आवश्यकता है।

उचित रणनीति

- संघ लोक सेवा आयोग भारतीय प्रशासन के शीर्ष विभागों की सेवा हेतु सामान्यज्ञ प्रकृति के उम्मीदवार के चयन का उद्देश्य रखती है।
- सामान्यज्ञ से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो सभी विधाओं की सामान्य जानकारी रखता है ना कि कुछ विधाओं की सम्पूर्ण जानकारी (वैज्ञानिक शोधकर्ता)।
- उदाहरणस्वरूप यदि हम बाढ़ के बारे में पढ़ते हैं तो हमें बाढ़ के कारण, उसके निहितार्थ (सकारात्मक एवं नकारात्मक), मानवीय जीवन एवं संपदा पर उसके प्रभाव तथा बाढ़ के शमन तथा प्रबंधन को समझने पर फोकस करना चाहिए ना कि बाढ़ से संबंधित वैज्ञानिक साहित्य, नदी प्रवाह आदि को पढ़ना चाहिए।
- दरअसल, सिविल सेवा परीक्षा की सफलता आपके 'परिश्रम' पर उतना निर्भर नहीं करती है जितना वह आपके 'परिश्रम करने के तरीकों' पर निर्भर करती है।
- सामान्यत: सभी अभ्यर्थी कठिन परिश्रम करने की इच्छा रखते हैं लेकिन इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए सिर्फ परिश्रम की ही नहीं बल्कि 'स्मार्ट परिश्रम' की आवश्यकता होती है।
- सभी अभ्यर्थी एक प्रकार के शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक परिवेश से संबंध नहीं रखते हैं, इसलिए उनकी रणनीति में भी अंतर होता है। परन्तु इस परीक्षा में अंतिम रूप से सफल होने के लिए सभी अभ्यर्थियों को एक ही प्रकार की परीक्षा पद्धति से गुजरना पड़ता है। अत: रणनीति अलग-अलग होते हुए भी प्रतिमान उच्च स्तरीय ही रखने पड़ेंगे।
- चूंकि प्रारंभिक परीक्षा में प्रथम प्रश्नपत्र (मेरिट तय करने वाला प्रश्नपत्र) में 100 प्रश्न पूछे जाते हैं। अत: आपको ऐसी रणनीति बनानी होगी जिसमें कि आप 75-80 प्रश्न हल कर सकें।
- आप पाठ्यक्रम के अंतर्गत दिये गये खंडों को इस प्रकार तैयार करें जिससे कि आप 75 प्रश्नों तक अपनी पकड़ बना सकें।
- आप अपने प्रथम प्रयास में प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और इसके लिए आपको अपने भीतर ब्रह्मांड की सभी जानकारियों को रखने की आवश्यकता भी नहीं है। आप एक सामान्यज्ञ के तौर पर गंभीर अध्ययन को प्राथमिकता दें। संकल्पनात्मक समझ आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि रटने की आदत से न तो आपको प्रारंभिक परीक्षा और ना ही मुख्य परीक्षा में कोई लाभ मिलने वाला है।
- इसलिए विस्तृत वर्णनात्मक एवं शोधात्मक अध्ययन के स्थान पर आधारभूत समझ और व्यापक अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित करें।

यद्यपि प्रारंभिक परीक्षा एक क्वालिफाइंग परीक्षा है जिसमें आपको सिर्फ कट-ऑफ (Cut-off) तक अंक ही लाना होता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि जिस भी खंड में आप सहज महसूस नहीं करते हों उस खंड से बचने की कोशिश करें क्योंकि यह कोई समाधान नहीं है। यह जरूर है कि आप उस खंड में महारत हासिल न कर पायें लेकिन निरंतर और गहन अध्ययन से आप कम से कम उस खंड के 50 प्रतिशत प्रश्न तो हल कर ही सकते हैं। जिन खंडों में आप सहज महसूस कर रहे हैं उनमें 90 प्रतिशत प्रश्नों को हल करने की कोशिश करें। प्रारंभिक परीक्षा में कुल 100 प्रश्न पूछे जाते हैं। यदि आप इतने खंडों में सहज महसूस करते हैं जिनसे कि कुल मिलाकर 70 प्रश्न पूछे जाते हों तो आप उसका 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत (56-63 प्रश्न) हल करने का प्रयास करें जबकि बचे हुए खंड (30 प्रश्न) जिनमें आप सहज महसूस नहीं करते हैं, उसमें 50-55 प्रतिशत (15-17 प्रश्न) तक प्रश्नों को हल करने का लक्ष्य रखें तो निश्चित ही आप कट-ऑफ से ज्यादा अंक ला सकेंगे।

दक्ष एवं प्रभावी अध्ययन के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें:

- किसी भी पुस्तक को कवर से कवर तक पढ़ने का प्रयास न करें।
- प्रथम अध्ययन में नोट्स बनाने की गलती न करें।
- अपनी पुस्तक सूची सामान्य एवं छोटी रखें।
- किसी भी टॉपिक पर सिर्फ एक ही पुस्तक को गहनता एवं सम्पूर्णता के साथ पढ़ने की आवश्यकता है न कि हल्के तरीके से बहुत सारी पुस्तकों को।
- सावधानी से पढ़ें और छिपी हुए जानकारी को समझने का प्रयास करें क्योंकि प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्न ट्रिकी होते हैं।
- प्रारंभिक परीक्षा, दिये गये चार विकल्पों में से सही उत्तर को पहचानने से संबंधित है। इसलिए परीक्षा हेतु तथ्यों को याद करने की चिंता न करें। यह सही विकल्प को चुनने और गलत विकल्प को निष्कासित करने की प्रक्रिया है। इसलिए संकल्पनात्मक समझ पर ज्यादा ज़ोर दिया जाना चाहिए।

द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा)

यह सिविल सेवा परीक्षा का द्वितीय एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण है जिसमें अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् सम्मिलित होते हैं।
प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों में से लगभग 15000-16000 अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए होता है।
इस परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न विषयनिष्ठ (Subjective Type) होते हैं।
इस परीक्षा के अंतर्गत निबंध का एक प्रश्न पत्र, सामान्य अध्ययन के चार प्रश्नपत्र (I, II, III एवं IV) तथा किसी एक वैकिल्पक विषय के दो प्रश्नपत्र (I एवं II) होते हैं। इसके अतिरिक्त अनिवार्य अंग्रेजी व अनिवार्य भारतीय भाषा (आठवीं अनुसूची में विहित भाषाओं में से कोई एक) प्रश्नपत्र होते हैं।

मुख्य परीक्षा में प्रश्नों के एक नियोजित तरीके से वर्णनात्मक उत्तर अपेक्षित होते हैं। इस परीक्षा में अभ्यर्थी का मूल्यांकन न सिर्फ उसकी लेखन एवं विश्लेषणात्मक क्षमता बल्कि उन विभिन्न मुद्दों पर उसकी पकड़ के आधार पर भी किया जाता है, जो कि प्रशासनिक व्यवस्था अथवा अधिकार तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रश्नों की प्रकृति ऐसी होती है जिससे विविध विषयों पर अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी का परीक्षण किया जा सके।

A. क्वालीफाइंग प्रश्नपत्र

1. अंग्रेजी : 300 अंक
2. भारतीय भाषा : 300 अंक

(कक्षा दसवीं स्तर तक)

B. मेधा सूची के प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र I निबंध : 250 अंक

प्रश्नपत्र II
सामान्य अध्ययन-1 : 250 अंक
भारतीय विरासत और संस्कृति,
विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज

प्रश्नपत्र III
सामान्य अध्ययन-2 : 250 अंक
शासन व्यवस्था, संविधान, राजव्यवस्था,
सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

प्रश्नपत्र IV
सामान्य अध्ययन-3 : 250 अंक
प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण,
आन्तरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन

प्रश्नपत्र V
सामान्य अध्ययन-4 : 250 अंक
नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

प्रश्नपत्र VI
वैकल्पिक विषय - प्रश्नपत्र 1 : 250 अंक

प्रश्नपत्र VII
वैकल्पिक विषय - प्रश्नपत्र 2 : 250 अंक

कुल **1750 अंक**

मुख्य परीक्षा की योजना

मुख्य परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्नपत्र शामिल होते हैं-

(1) क्वालीफाइंग प्रश्न पत्र

लिखित परीक्षा में पहली श्रेणी क्वालीफाइंग प्रश्नपत्र की होती है, जिसके अंक अंतिम सफलता सूची में नहीं जोड़े जाते हैं। इसमें एक प्रश्नपत्र संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से किसी एक चुने गये भाषा पर आधारित होता है। दूसरा प्रश्नपत्र अनिवार्य रूप से अंग्रेजी भाषा का होता है। प्रत्येक प्रश्नपत्र 300 अंकों का होता है। इन दोनों ही प्रश्नपत्रों के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना होता है।

(2) निबंध

इसमें उम्मीदवार को दिये गए विषय पर एक निबंध लिखना होता है। वर्तमान में दो खण्डों में से प्रत्येक खण्ड से एक-एक यानि कुल दो निबंध का चयन कर लिखना होता है। यह 250 अंकों का होता है। उम्मीदवारों से यह आशा की जाती है कि वे अपने विचारों को निबंध के विषय के निकट रखते हुए क्रमबद्ध और प्रभावपूर्ण ढंग से संक्षेप में लिखें।

(3) सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के तहत कुल चार प्रश्नपत्र होते हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 250 अंकों का होता है।
लिखित परीक्षा के संदर्भ में संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित निर्देशों को समझना जरूरी है-

I) लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र विवरणात्मक प्रकार के होते हैं, अर्थात् आपको दिये गए प्रश्नों का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा में लिखना होता है। शब्दों की सीमा प्रश्नों के सम्मुख अंकित की गयी होती है।
II) प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का होता है।
III) सामान्य अध्ययन के सभी प्रश्नों के उत्तर भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा या अंग्रेजी में देने का विकल्प होता है।
IV) आप उत्तर देने के लिए जिस भी भाषा का चयन करते हैं, उसमें उत्तर देने के दौरान यदि कोई तकनीकी शब्द आता है, तो आवश्यक होने पर उस भाषा के अतिरिक्त कोष्ठक (.....) में अंग्रेजी में भी लिख सकते हैं। हालांकि इसका दुरुपयोग करने पर अंकों में कटौती भी होती है।
V) यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से न पढ़ी जा सके तो उसे मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिये जाते हैं।
VI) सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाते हैं।
VII) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में उपयुक्त लेखन को अधिक महत्व दिया जाता है।
VIII) उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग कर सकते हैं।

(4) वैकल्पिक विषय

इसका चयन करने के लिए उम्मीदवार स्वतंत्र होते हैं। आप संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रस्तुत की गयी सूची में से किसी भी वैकल्पिक विषय का चयन कर कर सकते हैं। इसमें दो प्रश्नपत्र हैं और प्रत्येक प्रश्नपत्र 250-250 अंक का होता है।

इस प्रकार निबंध के 250 अंक, सामान्य अध्ययन के 1000 अंक व वैकल्पिक विषय के 500 अंक को सम्मिलित कर लिखित परीक्षा कुल 1750 अंकों की होती है। जो उम्मीदवार इन 1750 अंकों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेता है, उसे साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सामान्य अध्ययन (General Studies) - मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम (Main Examination Syllabus)

सामान्य अध्ययन-1 : भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज	General Studies- I: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society
भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।	Indian culture will cover the salient aspects of art forms, literature and architecture from ancient to modern time.
18 वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास-महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, मुद्दे।	Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues
स्वतंत्रता संग्राम-इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।	The Freedom Struggle - its various stages and important contributors /contributions from different parts of the country.
स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।	Post-independence consolidation and reorganization within the country.
विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं तथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शनशास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।	History of the world will include events from 18th century such as industrial revolution, world wars, redrawal of national boundaries, colonization, decolonization, political philosophies like communism, capitalism, socialism etc.- their forms and effect on the society.
भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।	Salient features of Indian Society, Diversity of India.
महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याएं एवं उनके उपचार।	Role of women and women's organization, population and associated issues, poverty and development issues, urbanization, their problems and their remedies.
भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।	Effects of globalization Indian society.
सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।	Social empowerment, communalism, regionalism & secularism.
विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं।	Salient features of world's physical geography.
विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक।	Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian subcontinent); factors responsible for the location of primary, secondary, and tertiary sector industries in various parts of the world (including India).
भूकंप, सूनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भौगोलिक विशेषताएं और उनके स्थान, अति महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणीजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।	Important geophysical phenomena such as earthquakes, Tsunami, volcanic activity, cyclone etc., geographical features and their location-changes in critical geographical features (including waterbodies and ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.

सामान्य अध्ययन (General Studies) - मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम (Main Examination Syllabus)	
सामान्य अध्ययन-2: शासन व्यवस्था, संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध	**General Studies- II: Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International relations.**
भारतीय संविधान - ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी सरंचना।	Indian Constitution - historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure.
संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।	Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure, devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein.
भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।	Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries.
संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।	Parliament and State Legislatures - structure, functioning, conduct of business, powers & privileges and issues arising out of these.
कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य; सरकार के मंत्रालय एवं विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।	Structure, organization and functioning of the Executive and the Judiciary; Ministries and Departments of the Government; pressure groups and formal/imformal associations and their role in the Polity.
विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।	Separation of powers between various organs dispute redressal mechanisms and institutions.
जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।	Salient features of the Representation of People's Act.
विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व।	Appointment to various Constitutional posts, powers, functions and responsibilities of various Constitutional bodies.
सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।	Statutory, regulatory and various quasi-judicial bodies.
सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न मुद्दे।	Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation.
विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग - गैर सरकारी सगंठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।	Development processes and the development industry- the role of NGOs, SHGs, various groups and associations, donors, charities, institutional and other stakeholders.
केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।	Welfare schemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; mechanisms, laws, institutions and bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections.
स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/ सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।	Issues relating to development and management of Social Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources.
गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे।	Issues relating to poverty and hunger.
शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक घोषणा-पत्र, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।	Important aspects of governance, transparency and accountability, e-governance- applications, models, successes, limitations, and potential; citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures.
लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।	Role of civil services in a democracy.
भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध।	India and its neighbourhood-relations.
द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और / अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समझौते।	Bilateral, regional and global groupings and agreements involving India and/or affecting India's interests
विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव; भारतीय डायसपोरा।	Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests, Indian diaspora.
महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, अभिकरण और मंच-उनकी संरचना, अधिदेश।	Important International institutions, agencies and fora- their structure, mandate.

सामान्य अध्ययन (General Studies) - मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम (Main Examination Syllabus)	
सामान्य अध्ययन-3 : प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन	**General Studies-III: Technology, Economic Development, Bio diversity, Environment, Security and Disaster Management.**
भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित मुद्दे।	Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न मुद्दे।	Inclusive growth and issues arising from it.
सरकारी बजट।	Government Budgeting.
मुख्य फसलें, देश के विभिन्न भागों में फसलों का प्रतिरूप, सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित मुद्दे और बाधाएं, किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी।	Major crops, cropping patterns in various parts of the country, different types of irrigation and irrigation systems storage, transport and marketing of agricultural produce and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers
प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय, जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी मुद्दे; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु पालन संबंधी अर्थशास्त्र।	Issues related to direct and indirect farm subsidies and minimum support prices; Public Distribution System-objectives, functioning, limitations, revamping; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing.
भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपर और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।	Food processing and related industries in India- scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management.
भारत में भूमि सुधार।	Land reforms in India.
उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।	Effects of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth.
बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।	Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc.
निवेश मॉडल।	Investment models.
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इनका प्रभाव।	Science and Technology- developments and their applications and effects in everyday life.
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।	Achievements of Indians in science & technology; indigenization of technology and developing new technology.
सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।	Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nanotechnology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights.
संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।	Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment.
आपदा और आपदा प्रबंधन।	Disaster and disaster management.
विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।	Linkages between development and spread of extremism.
आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका।	Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security.
संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।	Challenges to internal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention
सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन-संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।	Security challenges and their management in border areas; linkages of organized crime with terrorism.
विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।	Various security forces and agencies and their mandate.

सामान्य अध्ययन (General Studies) - मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम (Main Examination Syllabus)

सामान्य अध्ययन-4 : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि	General Studies- IV: Ethics, Integrity, and Aptitude
इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से सम्बन्धित विषयों के प्रति उनकी अभिवृति व उनके दृष्टिकोण का तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों व सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्र में किसी मामलें के अध्ययन (केस स्टडी) को माध्यम के रूप भी चुना जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा:	This paper will include questions to test the candidates' attitude and approach to issues relating to integrity, probity in public life and his problem solving approach to various issues and conflicts faced by him in dealing with society. Questions may utilise the case study approach to determine these aspects. The following broad areas will be covered:
नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। मानवीय मूल्य-महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।	Ethics and Human Interface: Essence, determinants and consequences of Ethics in human actions; dimensions of ethics; ethics in private and public relationships. Human Values – lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in inculcating values.
अभिवृत्ति: विषय-वस्तु, सरंचना, प्रकार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एव सबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिवृत्ति; सामाजिक प्रभाव और धारणा।	Attitude: content, structure, function; its influence and relation with thought and behaviour; moral and political attitudes; social influence and persuasion.
सिविल सेवा के लिए अभिरूचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।	Aptitude and foundational values for Civil Service, integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker sections.
भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।	Emotional intelligence-concepts, and their utilities and application in administration and governance.
भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।	Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world.
लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं, सरकारी तथा निजी सस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं, नैतिक मार्गदर्शक के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अतर्रात्मा; जवाबदेह और नैतिक शासन व्यवस्था; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अतर्राष्ट्रीय सबंधों तथा निधि व्यवस्था (फडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था।	Public/Civil service values and Ethics in Public administration: Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance; accountability and ethical governance; strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance.
शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार; सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा-पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।	Probity in Governance: Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information, Codes of Ethics, Codes of Conduct, Citizen's Charters, Work culture, Quality of service delivery, Utilization of public funds, challenges of corruption.
उपर्युक्त विषयों पर केस स्टडी संबंधी अध्ययन।	Case Studies on above issues.

वैकल्पिक विषयों की सूची

- कृषि विज्ञान
- पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
- नृविज्ञान / मानव विज्ञान
- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- सिविल इंजीनियरिंग
- वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
- अर्थशास्त्र
- इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- भूगोल
- भूगर्भशास्त्र / भू-विज्ञान
- इतिहास
- विधि
- प्रबंधन
- गणित
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- चिकित्सा विज्ञान
- दर्शनशास्त्र
- भौतिकी
- राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- मनोविज्ञान
- लोक प्रशासन
- समाजशास्त्र
- सांख्यिकी
- प्राणी विज्ञान
- निम्नलिखित भाषाओं में से कोई एक:
  असमिया , बंगाली, बोडो, डोगरी,
  गुजराती, हिन्दी, कन्नड़,
  कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली,
  मलयालम, मणिपुरी, मराठी,
  नेपाली, उड़िया, पंजाबी,
  संस्कृत, संथाली, सिन्धी
  तमिल, तेलुगु, उर्दू

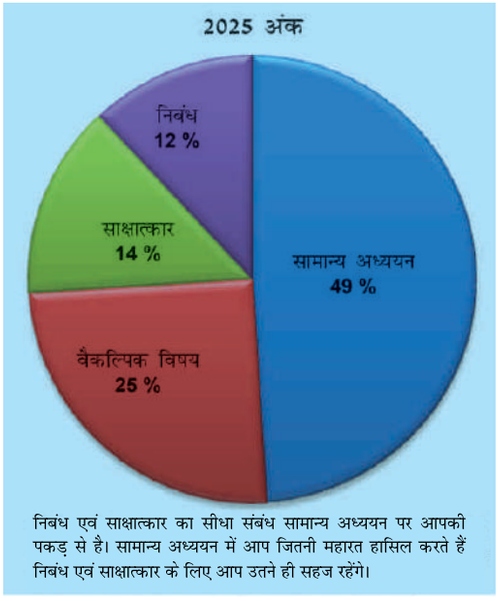

निबंध एवं साक्षात्कार का सीधा संबंध सामान्य अध्ययन पर आपकी पकड़ से है। सामान्य अध्ययन में आप जितनी महारत हासिल करते हैं निबंध एवं साक्षात्कार के लिए आप उतने ही सहज रहेंगे।

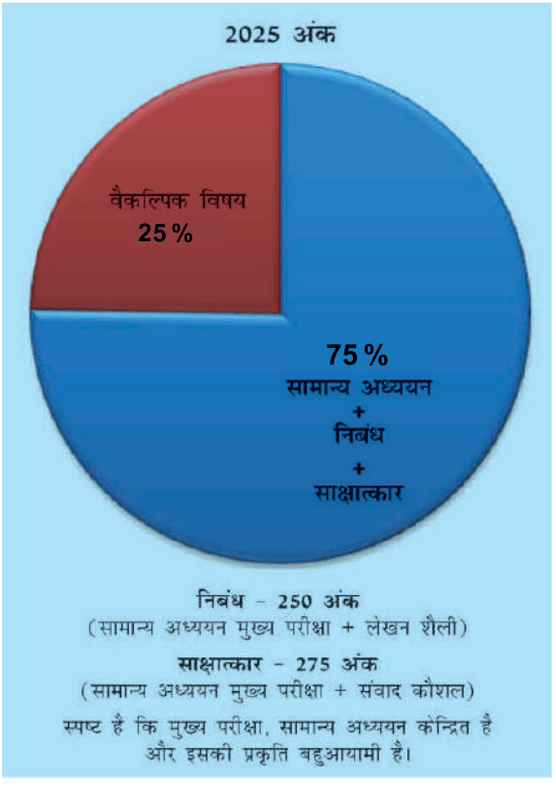

निबंध – 250 अंक
(सामान्य अध्ययन मुख्य परीक्षा + लेखन शैली)

साक्षात्कार – 275 अंक
(सामान्य अध्ययन मुख्य परीक्षा + संवाद कौशल)

स्पष्ट है कि मुख्य परीक्षा, सामान्य अध्ययन केन्द्रित है और इसकी प्रकृति बहुआयामी है।

कट-ऑफ (मुख्य परीक्षा)

Category	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020
General	678	630	787	809	774	751	736
EWS	-	-	-	-	-	696	687
OBC	631	677	745	770	732	718	698
SC	631	622	739	756	719	706	680
ST	619	617	730	749	719	699	682
PH-1	609	580	713	734	711	663	648
PH-2	575	627	740	745	696	698	699
PH-3	449	504	545	578	520	374	425

अरविंद अग्रवाल
RANK-9

सामान्य अध्ययन की तैयारी में ध्येय IAS का सहयोग सराहनीय रहा। ध्येय IAS के विनय सर एवं क्यू. एच. खान सर द्वारा मिला मार्गदर्शन मेरी सफलता में काफी मददगार साबित हुआ। मैं ध्येय IAS की पूरी टीम का हृदय से आभारी रहूंगा।

मुख्य परीक्षा की रणनीति

उचित समय प्रबंधन, प्रतिबद्धता के साथ-साथ सूत्रबद्ध रणनीति ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु एकमात्र तरीका है।

- अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम की जानकारी होना आवश्यक है। इससे आपको सही योजना बनाने एवं उचित समय प्रबंधन में सहायता मिलेगी।
- सर्वप्रथम सम्पूर्ण पाठ्यक्रम और पूर्व के वर्षों में पूछे गये प्रश्नों का अवलोकन करें। यह आपकी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। पूर्व के वर्षों में पूछे गये प्रश्नों के अवलोकन से दो उद्देश्यों की पूर्ति होगी:

प्रथमत: आपको यह पता चलेगा कि पाठ्यक्रम के किस खंड से निरंतर प्रश्न पूछे जा रहे हैं। द्वितीय यह कि आपको पूछे गये प्रश्नों की प्रकृति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त होगी। ये दो कारक मुख्य परीक्षा की तैयारी में आपका स्थिर रूप से मार्गदर्शन करते रहेंगे। पाठ्यक्रम के अवलोकन के पश्चात् उपलब्ध समय एवं अपनी क्षमताओं व कमजोरियों के आधार पर परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर आपको अपनी समय सारणी बनाने में मदद मिलती है। एक बार जब आप स्पष्ट रूप से टॉपिक्स को रेखांकित कर लेते हैं तो आपकी तैयारी आसान हो जाती है।

अध्ययन सामग्री

यहाँ बहुत सारी पुस्तकों को पढ़ने की सलाह नहीं दी जाती है। बेहतर यही है कि किसी टॉपिक के लिए एक ही मानक पुस्तक को पढ़ा जाये जिसमें कि उस टॉपिक पर सभी मूलभूत अवधारणायें निहित हों। मानक पुस्तकें न सिर्फ आपके समय की बचत करती हैं बल्कि आपके ज्ञान को भी समृद्ध करती हैं।

अध्ययन की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है न कि मात्रा

सिविल सेवा परीक्षा के स्तर व पद्धति के अनुसार बिना किसी योजना एवं सोच-विचार किये विभिन्न सूत्रों से मिले सुझाव व अध्ययन सामग्री का उपयोग लाभदायक सिद्ध नहीं होगा। अध्ययन की गुणवत्ता अध्ययन का मूलभूत मापदंड होना चाहिये न कि मात्रा। ज्ञान की प्रासंगिकता एवं गहराई महत्वपूर्ण है न कि पुस्तकों अथवा पृष्ठों की संख्या।

उत्तर-लेखन हेतु कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

यदि आप सिविल सेवा मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको उत्तर लेखन कौशल के महत्व को ध्यान में रखना होगा जिससे कि आप समुचित अंक अर्जित कर सकें। उत्तर लेखन आपकी दिनचर्या का अभिन्न अंग होना चाहिए।

तुरंत प्रारंभ करें

उत्तर लेखन आरंभ करने के लिए आप सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की समाप्ति की प्रतीक्षा नहीं करें बल्कि प्रत्येक टॉपिक को कवर करने के साथ-साथ ही उत्तर लेखन प्रारंभ कर दें, जितना आप अभ्यास करेंगे उतना अच्छा उत्तर लिख पायेंगे। सिविल सेवा परीक्षा में आपकी सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती है कि आपके ज्ञान का स्तर क्या है बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि आप उत्तर पुस्तिका में उस ज्ञान की अभिव्यक्ति किस प्रकार से करते हैं।

मात्रा एवं गुणवत्ता

आप सिर्फ शब्द सीमा को आधार बनाकर कुछ भी लिखेंगे तो परीक्षक को सिर्फ उत्तर की मूल आत्मा से भटकाने की कोशिश करेंगे। इस पर हमेशा विचार करें। यूपीएससी आपके उत्तर में तथ्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ आपके ज्ञान की अभिव्यक्ति की क्षमता का भी आंकलन बहुत प्रभावी ढंग से करती है। आपको सिर्फ दिये गये शब्द सीमा का ही ध्यान नहीं रखना होगा अपितु प्रश्नों की मांग के अनुसार ही आपका उत्तर हो यह भी सुनिश्चित करना होगा। प्रश्नों में दिये गये सूक्ष्म बातों को समझना अनिवार्य है और यह निरंतर लेखन अभ्यास से ही संभव है।

मूल्यांकन

सिर्फ IAS Exam की तैयारी एवं उत्तर लेखन ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि उन उत्तरों का किसी योग्य शिक्षक द्वारा या किसी अच्छे सीनियर द्वारा निरंतर मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जिससे कि आप अपनी कमियों की पहचान कर उन्हें दूर कर सकें।

समग्र उत्तर

जब आप उत्तर लेखन का अभ्यास करते हैं तो यह भी सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर समग्र हो। आपका उत्तर बिल्कुल साफ-सुथरा, उदाहरणयुक्त, प्रासंगिक अवधारणाओं सहित स्पष्ट एवं रचनात्मक होना चाहिए। गत्यात्मक प्रश्न सदैव गत्यात्मक उत्तर की मांग करते हैं। इसलिए अपने शब्द भंडार (Vocabulary) को समृद्ध करने के लिए तथा लेखन शैली को उत्कृष्ट बनाने के लिए समाचार पत्र-पत्रिकाओं को नियमित रूप से पढ़ें। अच्छा लिखने की पहली शर्त यही है कि आप में पढ़ने की भी अच्छी आदत हो।

सामान्य अध्ययन बनाम वैकल्पिक विषय

चूँकि सामान्य अध्ययन में आपका उत्तर बहुआयामी और प्रभावशाली होना चाहिए इसलिए इसमें व्यर्थ की बातों को लिखने से बचें। हालाँकि वैकल्पिक विषय में उत्तर लिखते समय आप थोड़ी सी गहराई में जा सकते हैं या तकनीकी शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है कि यहां परीक्षक भी विषय-विशेषज्ञ होते हैं। अत: जब आप उत्तर लेखन का अभ्यास करें तो वैकल्पिक विषय और सामान्य अध्ययन के बीच के अंतर को हमेशा ध्यान में रखें।

तृतीय चरण - साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)

सिविल सेवा परीक्षा के अंतिम परिणाम को प्रभावित करने में साक्षात्कार की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। आज के इस प्रतिस्पर्द्धात्मक युग में लिखित परीक्षा में अच्छा कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु साक्षात्कार की प्रक्रिया को पार करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। साक्षात्कार किसी प्रतिभागी के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त करने की एक सामान्य प्रक्रिया है जो प्रतिभागी तथा साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत के रूप में संपन्न होती है। साक्षात्कार का दायरा अधिक व्यापक एवं महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। पहले जो चीज़ मात्र व्यक्तित्व परीक्षण तक ही सीमित थी, अब वह सर्वांगीण दृष्टिकोण के परीक्षण के रूप में परिणत हो चुकी है। साक्षात्कार के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि साक्षात्कार की प्रकृति कैसी है? सिविल सेवा परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक अभ्यर्थी का साक्षात्कार एक साक्षात्कार बोर्ड द्वारा लिया जाता है जिसका उद्देश्य अभ्यर्थी के व्यक्तित्व में लोक सेवा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के निर्वहन हेतु उपयुक्तता को परखना तथा उसके व्यक्तित्व को जांचना होता है। आप स्वाभाविक रूप से कक्ष में जायें। प्रवेश करने के बाद सर्वप्रथम बोर्ड के अध्यक्ष का अभिवादन करें, तत्पश्चात सदस्यों का अभिवादन करें। जब वे आपको बैठने के लिए कहें तो धन्यवाद कहकर, अध्यक्ष के सामने की कुर्सी पर बैठ जायें। कक्ष के अंदर अपना आत्मविश्वास और धैर्य बनाए रखें। मुखमुद्रा स्वाभाविक रखें। बोर्ड के सदस्य जब आपसे वार्तालाप आरंभ करें तो आप उसमें पूरी सक्रियता के साथ रुचि लें। प्रतिपृच्छा अथवा जिरह (Cross Examination) की स्थिति आने पर अपने ऊपर नियंत्रण तथा मानसिक संतुलन बनाये रखकर प्रश्नों का उत्तर दें। सामान्य रूप से बात करें तथा आपका बर्ताव भी सामान्य ही होना चाहिए। यदि किसी जगह पर अटक जायें या प्रश्न का उत्तर नहीं आता है तो शिष्टतापूर्वक क्षमा मांग लें, क्योंकि गलत उत्तर देने से प्रभाव नकारात्मक पड़ेगा। आप जो भी उत्तर दें, वह आत्मविश्वास तथा शिष्टता से दें। भाषा की दक्षता पर विशेष ध्यान दें। भाषा ही विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा की दक्षता के बिना हम अपने मन के विचारों को ठीक प्रकार से प्रस्तुत नहीं कर सकते। उत्तर देते समय क्रम का ध्यान रखें तथा साक्षात्कार मंडल पर अपना सकारात्मक प्रभाव (Impression) छोड़ें।

साक्षात्कार में अभ्यर्थियों द्वारा अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने की संभावना सदैव बनी रहती है। यह प्रक्रिया 25-30 मिनट की है परंतु प्राप्तांक की संभावना 130 से 225 के मध्य रहती है। अभ्यर्थियों द्वारा अपने प्राप्तांक को अधिकतम करने की प्रक्रिया में साक्षात्कार अंतिम अवसर उपलब्ध कराता है। यदि कोई अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में कट ऑफ के नजदीक भी रहता है तब भी वह साक्षात्कार में अधिक अंक प्राप्त कर अंतिम रूप से सफल हो सकता है।

यूपीएससी-2015 की रिपोर्ट के अनुसार ऐसा पाया गया है कि पिछले एक दशक में जो भी अभ्यर्थी साक्षात्कार में शामिल होते हैं उनमें से 90 प्रतिशत अभ्यर्थियों का प्राप्तांक साक्षात्कार के लिए निर्धारित अंक के 55 प्रतिशत से कम होता है।

वर्ग-1 सेवा के लिए चयनित अभ्यर्थी लगभग 60 प्रतिशत अंक साक्षात्कार में प्राप्त करते हैं। यह भी पाया गया है कि केवल उन अभ्यर्थियों को ही अपनी वरीयता के अनुरूप पद मिल पाता है जो साक्षात्कार में 66 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करते हैं। उपरोक्त तथ्य यह स्पष्ट करते हैं कि व्यक्तित्व अभ्यर्थियों के अंतिम चयन में निर्णायक भूमिका निभाता है।

ध्येय वैकल्पिक विषय की कक्षाएं 2022-23

ध्येय IAS UPSC सिविल सेवा छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के वैकल्पिक विषयों की विशिष्ट तैयारी करवाता है। ध्येय IAS द्वारा दिये जा रहे वैकल्पिक विषय इस प्रकार है-

भूगोल	समाज शास्त्र
राजनीति विज्ञान	लोक प्रशासन
हिन्दी साहित्य	इतिहास

इसके अलावा ध्येय IAS अपने छात्रों को Pre-cum Mains की कक्षा को ऑनलाइन मोड से ऑफलाइन मोड में न्यूनतम दर पर बदलाव करने का भी विकल्प देता है।

DHYEYA ONLINE PROGRAMME

ऑफलाइन और ऑनलाइन बैच

ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में ALL NEW DHYEYA PRE-CUM-MAINS कक्षाएं UPSC CSE 2022-23 के लिए एक पूर्ण पाठ्यक्रम है। इसमें प्रतिष्ठित परीक्षा के सभी तीन चरणों – प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार के लिए मार्गदर्शन शामिल है।

ऑनलाइन पढ़ने की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। वर्तमान समय में मौजूदा परिस्थितियों के कारण, ऑनलाइन शिक्षा अपने पारंपरिक कक्षा के समक्ष बेहत्तर प्रदर्शन कर रही है। स्थिति चाहे जो भी हो, यह अनिवार्य है कि पढ़ाई जारी रहनी चाहिए।

Dhyeya IAS अपनी टैग लाइन के लिए समर्पित है और ऑफलाइन सीखने की कला को बनाए रखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं की शुरूआत करके अपने छात्रों के लिए सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को आसान बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गंभीर छात्रों, विशेष रूप से फ्रेशर्स/नए छात्रों को बुनियादी/आधारभूत ज्ञान का मजबूत नींव स्थापित करना, विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना, हर कदम पर विश्वसनीय फैकल्टी से बातचीत और सलाह के माध्यम से इस परीक्षा के गतिशील प्रकृति के अनुरूप तैयार करना है।

ध्येय IAS के संस्थापक और निदेशक विनय सर और क्यू. एच. खान सर तथा फैक्लटी, मेंटर्स और सफल प्रशिक्षकों के एक अनुभवी तथा प्रतिभाशाली टीम से समर्थित है और अब पहले से कहीं अधिक ऑल न्यू क्लासेस EQUIP रणनीति से भरी हुई है।

EQUIP STRATEGY

ध्येय IAS Pre cum Mains क्लासेज की अनूठी EQUIP रणनीति प्रदान करता है जो शिक्षाशास्त्र के मूल सिद्धांतों पर बनाया गया है जो एक सिविल सेवा उम्मीदवार को ज्ञान और कौशल प्राप्त करके परीक्षा के सभी तीन चरणों को पास करने में सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें अपने प्रतिस्पर्धियों से सर्वश्रेष्ठ होने में मदद मिलती है।

EXPLAIN:

UPSC सिविल सेवा परीक्षा में सफल होने के लिए मुख्य रूप से आधारिक ज्ञान तथा अवधारणात्मक समझ का होना जरूरी है। हमारे फैक्लटी जटिल अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से व्याख्या करते हैं ताकि कोई भी नया छात्र प्रीलिम्स और मेन्स के प्रश्नों को हल करते समय इन अवधारणाओं को समझकर उपयोग कर सके।

QUEST:

प्रत्येक कक्षा के व्याख्यान के साथ टेस्ट होता है- जिसे QUEST कहते हैं - जो आपके ज्ञान और कौशल दोनों का परीक्षण करते है। ये परीक्षण आपकी परीक्षा की तैयारी में अनुशासन और गंभीरता लाने में मदद करते है।

UNDERSTAND:

Quest के पश्चात् चर्चाएं आयोजित की जाती हैं जो आपको यह समझने में मदद करती हैं कि आपने 'EXPLAIN' घटक के हिस्से के रूप में सीखी गई अवधारणाओं को कैसे लागू किया जाना चाहिए और परीक्षा के दृष्टिकोण से याद किया जाना चाहिए। फैक्लटी पिछले वर्ष के प्रश्नों और अपने स्वयं के प्रश्नों के सेट का व्यापक रूप से उपयोग करते है ताकि तनाव के बिना आप स्मार्ट तरीके से परीक्षा की तैयारी को कैसे करेंगे।

INTERACT:

संवादात्मक चर्चाओं के साथ व्याख्यान सीखने की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं और अधिक अवधारणात्मक समझ को विकसित करने में भी मदद करते हैं जिससे प्रत्येक छात्र योगदान दे सके। यह INTERACTION घटक आपको प्रत्येक व्याख्यान के बाद अपनी शंकाओं को दूर करने की सुविधा प्रदान करेगा, जहाँ आप अपने स्वयं के कौशल का भी योगदान कर सकते है।

PERFORM:

प्रत्येक विषय के पूरा होने पर साप्ताहिक प्रारंभिक परीक्षा, पाक्षिक मुख्य परीक्षा तथा व्यापक प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा आपके लिए अंततः 'प्रदर्शन' करने के लिए आयोजित की जाती है, जिससे आप परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम हो जाते हैं। ये परीक्षण आपको कक्षाओं और स्व-अध्ययन के माध्यम से अर्जित ज्ञान और कौशल को संशोधित करने और परीक्षण करने में मदद करेंगे।

EMOTIONAL QUOTIENT:

अंततः EQ भी जरूरी है। एक मजबूत भावनात्मक स्तर के बिना आप सिविल सेवा की तैयारी की लंबी साहसी यात्रा को बनाए नहीं रख सकते है। इसके अलावा आप सिविल सेवा परीक्षा के साक्षात्कार में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमारा मेंटरशिप प्रोग्राम आपको अकादमिक (Academic) सहयोग के साथ भावनात्मक सहयोग भी प्रदान करता है।

ध्येय IAS की टेस्ट सीरीज एवं विशेष कक्षाओं को टॉपर्स सदैव पसंद करते रहे है।

आप प्रतिदिन जो सीखते हैं उसका अभ्यास करें:
दैनिक प्रीलिम्स और मेन्स क्लास टेस्ट
साप्ताहिक प्रीलिम्स रिवीजन टेस्ट
पाक्षिक मेन्स रिवीजन टेस्ट
हर विषय के पूरा होने के बाद फुल लेंथ प्रीलिम्स और मेन्स टेस्ट

संपूर्ण पाठ्यक्रम (GS+CSAT) के संपूर्ण कवरेज के साथ प्रारंभिक + मुख्य परीक्षा के लिए एकीकृत कक्षाएं।

व्यक्तिगत सलाहकार:
आपकी प्रगति को अच्छी तरह से ट्रैक करने के लिए एक विश्वसनीय सलाहकार

विशेष सुविधा:
एकीकृत नैतिकता और निबंध कक्षाएं।

लाइव संदेह निवारण सत्र + चैट के माध्यम से सदेह निवारण।

सबसे आशाजनक I-CAN पहल के माध्यम से मुख्य परीक्षा के लिए करेंट अफेयर्स का व्यापक कवरेज

हमारे कक्षा कार्यक्रम

Premium Batch: यह बैच प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम पर केन्द्रित है। इसमें मुख्यत: छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने पर ज़ोर दिया जाता है, ताकि वे सिविल सेवा परीक्षा में होने वाले नित्य परिवर्तनों से सामंजस्य बैठा सकें।

Mains Batch: यह बैच पूर्णत: मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित है। इसका मुख्य ज़ोर उत्तर लेखन-शैली एवं विश्लेषणात्मक अभिक्षमता के विकास पर होता है। साथ ही साथ निबंध की तैयारी भी करायी जाती है।

CSAT Batch: इस बैच में तार्किक कौशलता, बोधगम्यता, आँकड़ों के विश्लेषण, आंकिक अभिरुचि के निर्माण तथा निर्णयन क्षमता के विकास पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।

Focus Batch: इस बैच में प्रारंभिक परीक्षा के संपूर्ण पाठ्यक्रम को आधारभूत स्तर पर समायोजित करते हुए उसका अध्ययन कराया जाता है।

हमारे अन्य कार्यक्रम

All India Test Series (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु): इसका लक्ष्य परीक्षा में शामिल होने से पूर्व छात्रों को उनकी तैयारी को आँकने का अवसर प्रदान करना है।

Crash Course (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु): यह तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए एक व्यापक पुनरावलोकन कार्यक्रम है।

Interview Guidance Programme: उच्चस्तरीय मॉक इंटरव्यू की व्यवस्था के साथ-साथ समुचित फीडबैक, प्रशिक्षण एवं परामर्श की भी व्यवस्था, जिससे उम्मीद्वार अपने व्यक्तिगत लक्षणों को प्रशासनिक गुणों में पिरोकर बोर्ड के समक्ष अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाये।

PMI: यह एक मासिक कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य परीक्षा के प्रत्येक चरण के लिए परीक्षार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करना है।

Dhyeya IAS App: इसका मुख्य उद्देश्य सुदूर-क्षेत्रों में रहकर तैयारी करने वाले परीक्षार्थियों को सहायता प्रदान करना, उनमें उत्तर लेखन-शैली का विकास करना तथा उन्हें प्रचुर मात्रा में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है।

ध्येय IAS की विशिष्टता

तुलनात्मक मापदण्ड	ध्येय IAS	अन्य
सिविल सेवा परीक्षा के समन्वित कार्यक्रम (Pre-cum-Mains)	✓	✓
अपने संस्थान के छात्रों के लिए पुनरावलोकन कार्यक्रम-प्रारंभिक परीक्षा (45 दिन) तथा मुख्य परीक्षा (60 दिन) को ध्यान में रखते हुए	✓	×
ऑल इंडिया टेस्ट सीरिज (प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा के लिए)	✓	*
साप्ताहिक समसामयिकी पत्रिका Perfect 7	✓	×
साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रम	✓	*
संक्षिप्त, सारगर्भित एवं विशिष्ट अध्ययन सामग्री	✓	*
PMI (प्रारंभिक-मुख्य-साक्षात्कार) कार्यक्रम	✓	×
Dhyeya IAS App (प्रतिदिन उत्तर लेखन तथा उसका मूल्यांकन)	✓	×
प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शक (Mentor)	✓	*
क्लास टेस्ट के माध्यम से प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन पर व्यक्तिगत नजर	✓	*
सिविल सेवा परीक्षा के टॉपर्स से निरंतर संवाद की व्यवस्था	✓	*
स्मार्ट कक्षा	✓	*
ऑन-लाइन कक्षा की उपलब्धता	✓	*

(* कुछ संस्थान)

Dhyeya IAS App

ध्येय IAS ने सिविल सेवा परीक्षा की माँग को ध्यान में रखते हुए 'Dhyeya IAS App' नामक ई-प्लेफार्म को आरंभ किया है, जो कि हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यम के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा, विशेषकर उन छात्र/छात्राओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों से संबंध रखते हैं। 'Dhyeya IAS App' विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन उत्तर लेखन एवं निबंध तथा उनके मूल्यांकन की व्यवस्था प्रदान करता है। इस App के माध्यम से हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में समसामयिकी से संबंधित अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाती है।

Dhyeya IAS App की विशेषताएँ

IAS/PCS परीक्षा की सफलता के लिए पूर्व आवश्यक शर्तें।		Dhyeya IAS App	अन्य App और वेबसाइट
• उत्तर लेखन अभ्यास (दैनिक)	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	✓
• उत्तर लेखन का मूल्यांकन (दैनिक)	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	*
• मॉडल उत्तर (दैनिक)	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• समसामयिकी/मुद्दे, मूल्यांकन और प्रश्न (दैनिक और साप्ताहिक)	हिन्दी	✓	*
	अंग्रेजी	✓	✓
• निबंध लेखन, अभ्यास और मूल्यांकन (प्रति 15 दिन पर)	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• ऑनलाइन विडियो (आईएएस/पीसीएस)	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	✓
• टेस्ट सीरीज़ : प्रारंभिक परीक्षा (आईएएस/पीसीएस)	हिन्दी	✓	*
	अंग्रेजी	✓	✓
• टेस्ट सीरीज़ : मुख्य परीक्षा (आईएएस/पीसीएस)	हिन्दी	✓	*
	अंग्रेजी	✓	✓
• बहुविकल्पीय प्रश्न : साप्ताहिक	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×

(* कुछ संस्थान)

UDAAN कार्यक्रम के बारे में

10+2 के बाद, सामान्यत: छात्र भविष्य को लेकर अनिश्चित होते हैं। यद्यपि उम्र के इस पड़ाव पर उनमें अथाह ऊर्जा, दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम की अभिवृत्ति होती है, परंतु उचित मार्ग-दर्शन एवं पर्यवेक्षण के अभाव में वे असहाय एवं निराश महसूस करते हैं और अंतत: उनके सभी सपने एवं प्रयास व्यर्थ साबित हो जाते हैं। ऐसे समय में उन्हें किसी पेशेवर और उत्कृष्ट संस्थान की एक छोटी सी सहायता की आवश्यकता होती है।

ध्येय IAS स्नातक कर रहे प्रतियोगी छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपने सभी शंकाओं और संदेहों को दूर कर सकें एवं भारत के सर्वश्रेष्ठ IAS अधिकारी बनने की ओर अग्रसर हो सकें।

मंत्र

त्रि-वर्षीय पाठ्यक्रम (UDAAN) के माध्यम से एक सिविल सेवक बनना कैसे संभव है?

- एक अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से केवल मेधावी व परिश्रमी छात्रों का चयन किया जाता है।
- यह त्रि-स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसके तीनों चरण सुव्यवस्थित एवं सुपरिभाषित होते हैं तथा एक-दूसरे से उचित ढंग से संबद्ध होते हैं।

मिशन

स्नातक कर रहे छात्रों को उनके आंतरिक ज्ञान और अभिक्षमता का बोध कराना तथा उनमें गुणात्मक अभिवृद्धि करना ताकि वे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा को अपने शुरूआती दौर में ही उत्तीर्ण कर सकें।

UDAAN की अध्ययन पद्धति

हमारी इस सफलता का पूरा श्रेय उन नवोन्मेषी अध्ययन पद्धतियों को जाता है जिनका प्रयोग हम निरंतर करते हैं।

1 CLASSROOM LECTURE

- सुपरिभाषित एवं अद्यतन पाठ्यक्रम
- सरल एवं प्रभावी व्याख्यान
- अवधारणात्मक स्पष्टता पर ज़ोर
- शिक्षक-छात्र संवादप्रद अध्ययन
- अध्ययन एवं लेखन शैली का विकास

2 PROJECT ASSIGNMENT

- छात्रों के अध्ययन अभिरुचि में अभिवृद्धि करना
- छात्रों के ज्ञान के स्तर में अभिवृद्धि करना
- श्रेष्ठ अकादमिक आदतों का विकास करना

3 OPEN DISCUSSION

- दुविधाओं एवं शंकाओं का निवारण
- सामूहिक चर्चा
- छात्रों में आत्मविश्वास की अभिवृद्धि करना तथा उनका तुलनात्मक मूल्यांकन करना
- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग, जैसे ऑडियो-विडियो कक्षाएँ

4 INSTITUTIONAL TOUR & GUEST LECTURE

- विभिन्न सरकारी संस्थानों जैसे स्कूल, प्रशासनिक कार्यालय आदि की कार्यप्रणाली को समझने के लिए छात्रों को समय-समय पर वहाँ ले जाना तथा संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों से मिलवाना।
- वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विषय विशेषज्ञों के अनुभवों को समझने का अवसर प्रदान करना।
- छात्रों को जमीनी स्तर की सच्चाई से अवगत कराना।

5 TEST AND TEST EVALUATION

- संकल्पनात्मक समझ के विकास के लिए प्रतिदिन क्लास टेस्ट
- साप्ताहिक टेस्ट
- प्रत्येक माह रिविजन टेस्ट
- प्रदर्शन के आधार पर छात्रों की रैंक का निर्धारण और प्रोत्साहन
- छात्रों की कमियों की पहचान करना और उन्हें दूर करना

6 VALUE SYSTEM

- कठिन परिश्रम, अनुशासन, सत्यनिष्ठा, सहयोग, इत्यादि हमारी कार्यप्रणाली के कुछ आधारभूत मूल्य हैं।
- हमारा इस बात पर ज़ोर होता है कि कैसे किसी छात्र को एक अच्छा नागरिक और एक अच्छा अधिकारी बनाया जाए। हमारे मूल्य हमारे दिन-प्रतिदिन की कक्षाओं में परिलक्षित होते हैं।

7 PARENTS/STUDENTS/TEACHER MEETING/FEEDBACK

- प्रत्येक माह अभिभावकों के साथ बैठक जिससे वे अपने बच्चों की प्रगति को समझ सकें।
- छात्रों के प्रदर्शन के सुधार में अभिभावकों की भागीदारी को सुनिश्चित करना।
- यदि छात्र कक्षा में उपस्थित नहीं होता है तो अभिभावक को सूचित किया जाता है।
- छात्रों तथा अभिभावकों से फीडबैक फॉर्म भरवाना।

उड़ान पाठ्यक्रम संरचना

यह हमारा विश्वास है कि यदि छात्र नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का अनुकरण करते हैं, तो वे निश्चित तौर पर सफलता प्राप्त करेंगे।

उड़ान प्रथम वर्ष- आधारभूत स्तर

हम छात्रों में अवधारणात्मक समझ और दुविधा को समाप्त करने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। साथ ही विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित करेंगे। छात्रों के बीच पढ़ने और सीखने के गुण विकसित किए जाएँगे, जिससे छात्र स्नातक स्तरीय विषय जैसे-इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, भूगोल इत्यादि विषय को बहुत अच्छी तरह समझने में दक्ष हो पाएँगे। प्रोजेक्ट असाइनमेंट, न्यूजपेपर तथा मैग्ज़ीन पढ़ने के माध्यम से छात्रों में जागरूकता स्तर को बढ़ाया जाएगा जिससे कि निश्चित तौर पर अब वे सिविल सेवा परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के लिए आश्वस्त हो जाएँगे।

उड़ान द्वितीय वर्ष- परिपक्वता स्तर

आधारभूत पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के पश्चात, अब वे द्वितीय चरण में प्रवेश करेंगे। यहाँ हम प्रोजेक्ट असाइनमेंट और सामान्य अध्ययन के महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। वे सीसैट (CSAT) में भी निपुण हो जाएँगे। वे समसामयिकी को बहुत अच्छी तरह समझ पाएँगे, साथ ही गहन अध्ययन की ओर उत्सुक हो जाएँगे। इस स्तर पर आकर वे नि:संदेह सीडीएस, पीसीएस एवं सहायक कमांडेट जैसे परीक्षाओं में प्रतिस्पर्द्धा कर सकते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में परिपक्वता और गंभीरता की पराकाष्ठा को महसूस कर पाएँगे।

उड़ान तृतीय वर्ष- निर्णायक स्तर (चयन का स्तर)

कोर्स के दो वर्ष पूर्ण होने के पश्चात एक अंतिम परीक्षा एवं साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा और जो छात्र निर्धारित न्यूनतम अंक (कट-ऑफ) प्राप्त करेंगे, उन्हें अंतिम चरण में प्रवेश दिया जाएगा, जो मुख्यतया आईएएस के लिए केंद्रित है। सामान्य अध्ययन तथा वैकल्पिक विषय की तैयारी को इस चरण के केंद्र में रखा जाएगा। शिक्षकों के साथ सलाह-मशविरा के पश्चात वैकल्पिक विषय चुना जाएगा। छात्र आदर्शात्मक उत्तर लिखने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाएँगे। साथ ही साक्षात्कार बोर्ड का सामना बहुत आसानी से कर पाएँगे। इस चरण के अंत में, अब वे सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने के कगार पर होंगे।

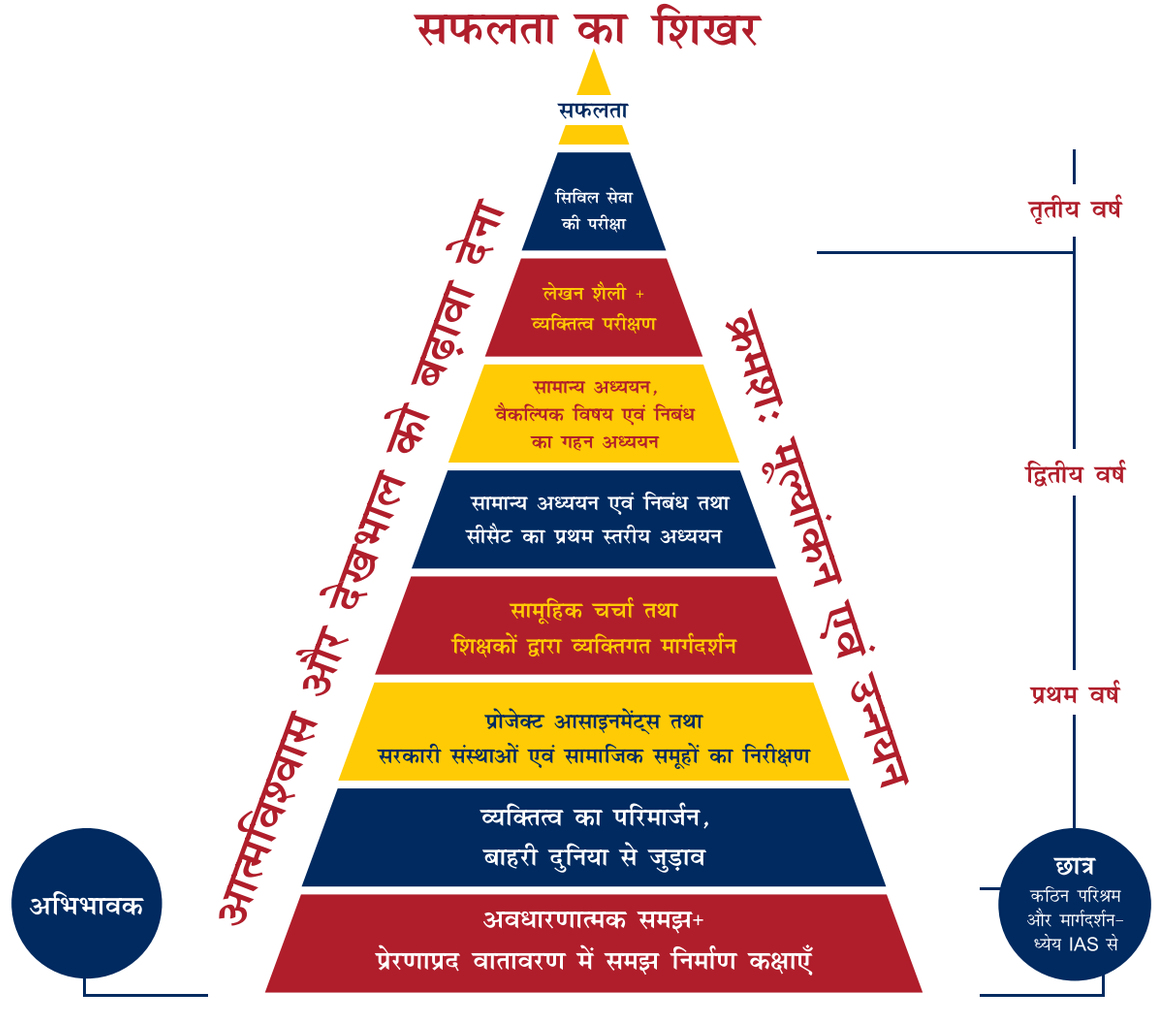

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (DSDL)

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, प्राथमिक रूप से उन छात्रों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो किसी कारणवश (आर्थिक या पारिवारिक) बड़े शहरों में नहीं आ पाते हैं लेकिन उनमें सिविल सेवक बनने की प्रबल इच्छा होती है। साथ ही ये Working Professional की जरूरतों को भी पूरा करता है जो अपने कार्यस्थल पर दबाव के कारण नियमित कक्षा कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाते हैं। हमारे दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि इसके अंतर्गत कक्षा कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों को जानने हेतु कक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। ये उन सभी छात्रों को कक्षा कार्यक्रम के समतुल्य शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है जो समय और दूरी के कारण पृथक रहते हैं और उचित मार्गदर्शन और समुचित अध्ययन सामग्री का लाभ नहीं उठा पाते हैं। दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले छात्र जो तैयारी की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाते हैं, उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सामान्य अध्ययन हेतु दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम उपलब्ध कराया जाता है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत उपलब्ध करायी गयी अध्ययन सामग्री अत्यंत व्यापक, सारगर्भित एवं परीक्षोन्मुखी होती है। इसका उद्देश्य मूलत: यह है कि एक साथ सभी प्रासंगिक विषयों पर गुणवत्तायुक्त अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाये। सामान्य अध्ययन के सभी खंडो पर अध्ययन सामग्री को इस प्रकार से तैयार किया जाता है कि किसी भी खंड से कोई भी बिन्दु नहीं छूटे। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि आप एक ऐसी अध्ययन सामग्री को प्राप्त करेंगे जिसमें प्रत्येक खंड हेतु 8-10 पुस्तकों की सहायता ली गई है। ये अध्ययन सामग्रियां कहीं भी किसी बुकस्टोर पर उपलब्ध नहीं हैं। यह अध्ययन सामग्री पूरी तरीके से सिर्फ और सिर्फ ध्येय IAS के छात्रों हेतु तैयार की गयी है। हम छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी गुणवत्ता और प्रतिबद्धता में विश्वास रखते हैं जिससे कि ये पुस्तकें सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अपरिहार्य होती है। हम दूरस्थ शिक्षा की सभी जरूरतों का अनुपालन करते हैं।

लाइव स्ट्रीमिंग (Live Streaming)

प्राचीन काल में गुरू-शिष्य परंपरा के तहत गुरू द्वारा शिष्यों को उनके आश्रम में शिक्षा दी जाती थी। समय के साथ सामाजिक संरचना में परिवर्तन हुआ और गाँव नगर में, नगर शहर में और शहर मैट्रो सिटी में परिवर्तित हुए। शिक्षा के द्वारा सभ्यताओं की प्रगति हुई। साथ ही अच्छी शिक्षा के लिए छात्रों को अच्छे स्थान की ओर पलायन करना पड़ा जैसे की प्राचीनकाल में होता था।

वर्तमान में प्रौद्योगिकी के विकास ने इन सभी बाधाओं और अवरोधों को एक हद तक समाप्त कर दिया है। आज लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से मेट्रो सिटी की सर्वोत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ प्रसिद्ध एवं कुशल शिक्षाविदों द्वारा संचालित गुणवत्तायुक्त शिक्षा सभी जगहों, यहां तक कि सुदूर क्षेत्रों में भी उपलब्ध है।

लाइव स्ट्रीमिंग, अध्ययन सामग्री के निर्माताओं/शिक्षाविद्ों के लाइव वीडियो अध्ययन सामग्री या कक्षाओं को इंटरनेट और सीडीएन के माध्यम से किसी कंप्यूटर या कैमरे की सहायता से प्रसारित करना सुनिश्चित करता है और छात्र वेब के द्वारा या आभासी कक्षा द्वारा उस अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

प्रोफेसर के ऑडियो-वीडियो को वास्तविक समय में वीडियो या उपकरण के माध्यम से अभिग्रहण (Capture) किया जाता है तत्पश्चात् लाइवफीड (Live Feed) को परिष्कृत किया जाता है और एक उपयुक्त प्रारूप में एन्कोड (Encode) किया जाता है।

ध्येय महिला सशक्तिकरण :

कोई घर, कोई समाज, कोई राज्य, कोई देश बिना महिला सशक्तिकरण के प्रगति नहीं कर सकता। एक महिला IAS, IPS जैसे सिविल सेवक बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। ध्येय IAS विभिन्न प्रकार के एवं आकर्षक छूटों के द्वारा महिलाओं को प्रोत्साहित करके इस सिविल सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक व महिला शक्तिकरण के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

छात्राओं/महिलाओं द्वारा दिये जाने वाले छात्रवृत्ति परीक्षा की विशेष छूट

Rank -1-25 - पूर्ण छात्रवृत्ति

Rank -26-100 - 50 प्रतिशत छूट

Rank -101-200 - 30 प्रतिशत छूट

ध्येय IAS टीवी

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी पिछले कुछ वर्षों से बड़े परिवर्तनों से गुजर रही है। आज तैयारी के लिए परीक्षार्थी केवल किताबों और समाचार पत्रों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि इससे आगे बढ़कर उनकी पहुँच इण्टरनेट तक हो गयी है, क्योंकि वर्तमान में आजकल तैयारी से संबंधित लगभग सभी महत्वपूर्ण पाठ्य सामग्री इण्टरनेट पर मौजूद है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका यूट्यूब चैनल की है। इसको ध्यान में रखते हुए ध्येय IAS ने अपना एक यूट्यूब चैनल शुरू किया है जिस पर बेहतर और संवर्द्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। राज्य सभा टीवी के पूर्व संपादक एवं पत्रकार श्री कुरबान अली के नेतृत्व में ध्येय IAS का यूट्यूब चैनल लाखों युवा एवं तैयारी की शुरूआत कर रहे परीक्षार्थियों के लिए प्रकाश स्तम्भ का कार्य कर रहा है।

इस चैनल के विभिन्न खण्ड जैसे- ग्लोबल मुद्दे, राष्ट्रीय मुद्दे, आर्थिक मुद्दे, डेली न्यूज स्कैन, कला एवं संस्कृति, टॉपर्स राउण्डटेबल, सुपर 100, ऑनलाइन क्लॉसेस, प्रेरणा और हौसला आदि परीक्षार्थियों की आवश्यकता और माँग को ध्यान में रखकर तैयार किये गये हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में मुद्दों को लेकर वस्तुनिष्ठता और उस क्षेत्र से संबंधित विद्वानों के विचार, इन कार्यक्रमों की सटीकता और विश्वसनीयता को कहीं अधिक बढ़ा देते हैं, जो मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं। महत्वपूर्ण सम-सामयिक मुद्दों पर विषय विशेषज्ञों की चर्चाएँ और विचार परीक्षार्थियों को उस विषय से संबंधित गहरी समझ को विकसित करने में सहायता प्रदान करती हैं।

DHYEYA DIGITAL PRESENCE

और हमारी अन्य निःशुल्क पहलः

ध्येय IAS लगातार अपने वेबसाइट www.dhyeyaias.com के द्वारा गुणवत्ता परख सामग्री प्रदान करके छात्रों का मार्गदर्शन करता रहा है। ध्येय IAS सदैव इस आदर्श पर कार्य करता है कि समाज के वंचित वर्ग व अन्य छात्रों को निशुल्क शिक्षण-सामग्री मिलती रहे। इसी कारण गत कई वर्षों में ध्येय IAS ने भारत के लाखों छात्रों के मध्य अपनी विशेष पहचान बनाई है।

ध्येय IAS के द्वारा गम्भीर छात्र इस शिक्षण सामग्री व अन्य मार्ग दर्शन के द्वारा इस कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण करते हैं। IAS टॉपर्स द्वारा लिखे गये सैकड़ो सन्देश इसका साक्ष्य हैं जहाँ वे यह मानते हैं, कि ध्येय IAS की Website से उन्हें विशेष सहायता मिली। इसके अलावा नियमित अंतराल पर विनय सर व खान सर के प्रेरक सन्देश छात्रों को इस कठिन यात्रा में एक उत्प्रेरक के रूप में सहायता प्रदान करते हैं।

ध्येय IAS से जुड़िये-

Visit our **Website**
Link: www.dhyeyaias.com

Like our **Facebook Page**
www.facebook.com/Dhyeya1

Follow our **Instagram Page**
www.instagram.com/dhyeya_ias

Follow our **Twitter Handle**
@Dhyeya_IAS

Subscribe our **YouTube Channel**
www.youtube.com/c/DhyeyaIASChannel

Subscribe our UP Special YouTube Channel **Baten UP Ki**
www.youtube.com/channel/UC6_HMldS6DOcLL6moEFuwDg

Subscribe our **YouTube Channel**
www.youtube.com/channel/UCX-iZbgb-H-Y4jEwDU8k6lg

FREQUENTLY ASKED QUESTIONS

1. **सिविल सेवा परीक्षा में आवेदन करने के लिए न्यूनतम योग्यता क्या होनी चाहिए?**
   - सिविल सेवा परीक्षा में ऐसे सभी उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी शैक्षिक संस्थान से स्नातक स्तर या इसके समकक्ष कोई डिग्री प्राप्त की हो।
   - जिन उम्मीदवारों के पास ऐसी व्यवसायिक अथवा तकनीकी योग्यताएँ हैं, जो सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यवसायिक व तकनीकी डिग्रियों के समकक्ष मान्यता रखती हैं, वे भी इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।
   - वे उम्मीदवार भी जो अपनी स्नातक डिग्री या अन्य योग्यताओं (उपरोक्त वर्णित) के अंतिम वर्ष के छात्र हैं, आवेदन करने के योग्य होंगे।

2. **यदि किसी ने एमबीबीएस अथवा कोई अन्य चिकित्सा परीक्षा पास की हो, लेकिन अपना इंटर्नशिप पूरा नही किया हो, तो क्या वह इस परीक्षा में शामिल होने के लिए पात्र होगा?**
   - ऐसे उम्मीदवार को परीक्षा के आवेदन प्रपत्र के साथ-साथ विश्वविद्यालय या संस्था के सक्षम प्राधिकारी से अभिप्रमाणित (Attested) कराकर अपनी मूल डिग्री अथवा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे कि उन्होंने डिग्री प्रदान करने हेतु सभी अपेक्षाएँ (जिसमें इण्टर्नशिप पूरा करना भी शामिल है) पूरी कर ली हैं।

3. **मैनें स्नातक के अंतिम वर्ष की परीक्षा दी है, लेकिन अभी अंतिम परिणाम घोषित नहीं हुए हैं। क्या मैं इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा दे सकता हूँ?**
   - ऐसे सभी अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र होते हैं, लेकिन सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में बैठने के समय आप को मुख्य परीक्षा के आवेदन प्रपत्र के साथ-साथ स्नातक अंतिम वर्ष में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

4. **क्या सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम या अधिकतम आयु सीमा होती है? सिविल सेवा परीक्षा में अवसरों की संख्या कितनी होती है?**
   - इस प्रश्न का उत्तर आप निम्न शारणी से समझ सकते हैं:

Catagory	Maximum Age	Attempt
General	32	6
OBC	32+3=35	9
SC/ST	32+5=37	As many as upto age limit
Physically disabled (Blind, Deaf-mute, Orthopedic)	32+10=42	General 9 OBC 9 SC/ST - upto age limit
J&K domicile General OBC SC/ST PH	 32+5=37 32+5+3=40 32+5+5=42 32+5+10=47	 depending on above categories viz.Gen, OBC, SC/ST, Disabled
Disabled serviceman discharged from duty General OBC SC/ST	 32+3=35 32+3+3=38 32+3+5=40	 -do-
Ex-serviceman with five year duty General OBC SC/ST	 32+5=37 32+5+3=40 32+5+5=42	 -do-

5. **अवसरों की संख्या के संदर्भ में संघ लोक सेवा आयोग के सामान्य निर्देश क्या हैं?**
   - प्रारम्भिक परीक्षा में शामिल होने को एक प्रयास माना जायेगा।
   - यदि उम्मीदवार प्रारम्भिक परीक्षा के किसी एक प्रश्न-पत्र में भी परीक्षा दे देता है, तो इसे उसका परीक्षा के लिए एक प्रयास समझा जायेगा।
   - उम्मीदवारी रद्द होने के बावजूद उम्मीदवार की परीक्षा में उपस्थिति को एक प्रयास माना जायेगा।

ध्येय IAS के विनय सर का योगदान न केवल सामान्य अध्ययन के लिए बल्कि साक्षात्कार के लिए भी अत्यंत उपयोगी रहा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में खान सर द्वारा दिया गया व्यक्तिगत मार्गदर्शन काफी उपयोगी सिद्ध हुआ।

श्वेता सिंघल
RANK-17

6. **मेरी शैक्षिक पृष्ठभूमि औसत रही है। ऐसा माना जाता है कि सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है और देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ ही इसमें सफल होती हैं। ऐसे में मुझ जैसे औसत दर्जे के छात्र के लिए इस परीक्षा में शामिल होना कितना सही है?**

सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने की योग्यता स्नातक उत्तीर्ण होना है न कि स्नातक में असाधारण अंकों से उत्तीर्ण होना। यह देश की सर्वश्रेष्ठ परीक्षा है, लेकिन इसलिए नहीं कि इसमें केवल आपके बौद्धिक योग्यता या रटने की क्षमता का परीक्षण किया जाता है, बल्कि इसलिए क्योंकि इसमें आपकी विभिन्न विषयों पर समझ, विश्लेषण की क्षमता और उसे अभिव्यक्त करने की कुशलता का भी परीक्षण किया जाता है। ऐसे छात्र जिनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि औसत रही है, वैसे अनेक छात्रों ने भी इस परीक्षा में अपनी मेहनत, लगन और निरंतर सुधार के जरिए सफलता पायी है।

7. **मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि ग्रामीण है और आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। क्या ऐसे में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की जा सकती है? कुछ लोग सलाह देते हैं कि पहले कुछ छोटी परीक्षाओं (SSC, PCS आदि) की तैयारी कर के नौकरी ले लेनी चाहिए और इसके बाद सिविल सेवा की तैयारी करनी चाहिए।**

- आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का सिविल सेवा परीक्षा में सफलता से कोई सीधा संबंध नहीं है। ग्रामीण पृष्ठभूमि और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के ऐसे अनेक विद्यार्थी हैं जो प्रत्येक वर्ष इस परीक्षा में सफल होते हैं।

- लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी सच है कि आपकी पारिवारिक और वित्तीय पृष्ठभूमि आपके व्यक्तित्व, सोच और विश्वास को जरूर प्रभावित करती है। अक्सर हमारे विपरीत हालात हमारे सामने दो विकल्प रखते हैं; पहला या तो हम अपनी परिस्थितियों के कुशल प्रबंधक बनकर उभरें, धैर्य रखें और दबावपूर्ण स्थिति में सकारात्मक मनोबल बनाये रखें। हालांकि ऐसी भी परिस्थितियां आती हैं, जब हालात हमें थोड़ा लाचार बना देते हैं और हमारा आत्मविश्वास इतना कमज़ोर होने लगता है कि परीक्षा के लिए जरूरी ऊर्जा और एकाग्रता ही हमारे पास नहीं रह जाती। दूसरा यदि आपके उत्तरदायित्व अत्यधिक हैं और तैयारी के लिए आवश्यक न्यूनतम संसाधन और परिस्थितियाँ नहीं हैं, तो आप अन्य परीक्षाओं व विकल्पों के बारे में सोच सकते हैं। एक बार कहीं स्थिरता आ जाये तो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं।

- इसलिए आपको अपनी परिस्थितियों के साथ-साथ अपनी क्षमताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन करना चाहिए। यदि इसके बाद आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी का फैसला करते हैं, तो आपमें दोहरा भाव या दुविधा नहीं होनी चाहिए और आपका पूरा ज़ोर अपने इस निर्णय को सही साबित करने पर होना चाहिए।

8. **अक्सर यह सुनने में आता है कि सिविल सेवा परीक्षा में अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी ही अधिक सफल हो पाते हैं। क्या हिन्दी माध्यम से सफलता प्राप्त करना इतना कठिन है?**

- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा के दौरान भाषायी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। इसलिए हिन्दी माध्यम से भी सफलता की उतनी ही संभावना है, जितनी की अंग्रेजी माध्यम से।

- हालांकि पहले पाठ्यसामग्री और नवीनतम जानकारी के स्तर पर अंग्रेजी माध्यम में संसाधन अधिक थे, लेकिन वर्तमान में हिन्दी माध्यम में भी विभिन्न कोचिंग संस्थानों, मैगज़ीन और वेबसाइटों के आ जाने से यह समस्या काफी हद तक कम हो गई है।

- हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को भाषायी सरलता व सटीक प्रस्तुतीकरण के स्तर पर समस्याएँ आती हैं, जिसके लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत है। ऐसा करने वाले हिन्दी माध्यम के छात्र न केवल सफल होते हैं बल्कि वरीयता सूची में शीर्ष स्थान भी प्राप्त करते हैं।

9. **सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए कितना समय पर्याप्त होता है?**

- सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित नहीं की जा सकती, क्योंकि यह अलग-अलग विद्यार्थियों की क्षमता, शैक्षिक व पारिवारिक पृष्ठभूमि, अभिरुचि, दबाव व समय प्रबंधन जैसे व्यक्तित्व के लक्षणों पर भी निर्भर करती है।

- लेकिन फिर भी सही रणनीति और लगन के साथ एक से दो साल की तैयारी सफल होने के लिए पर्याप्त है।

10. **क्या स्नातक के दौरान भी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की जा सकती है?**

- सिविल सेवा हमेशा से सर्वाधिक आकर्षक कैरियर के रूप में लोकप्रिय रहा है, लेकिन प्राय: विद्यार्थी इसकी तैयारी स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद करते हैं। इसका एक बड़ा कारण यह रहा है कि स्नातक की डिग्री स्वयं में जटिल और श्रम साध्य है।

- हालांकि जिनका लक्ष्य पहले से ही सिविल सेवा में जाना निर्धारित है, वे स्नातक के दौरान ही बेहतर रणनीतिक प्रबंधन के जरिए अपनी सफलता की संभावना बढ़ा सकते हैं।
- इसके लिए स्नातक के दौरान आधारभूत अवधारणाओं की समझ के लिए एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकों को पढ़ें। व्यक्तित्व विकास पर बल दें, अर्थात् अपने विचारों को दूसरों के सामने रखने, समय प्रबंधन करने और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का प्रयास करें।
- स्नातक के लिए ऐसे विषयों का चयन और उनका अध्ययन कर सकते हैं, जो आगे चलकर आपके लिए सिविल सेवा परीक्षा में सहायक हो।

11. क्या वैकल्पिक विषय के रूप में स्नातक के विषय का ही चयन करना आवश्यक है अथवा कोई अन्य विषय भी ले सकते हैं?

इस परीक्षा के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक होती है। स्नातक में हम जिस विषय को पढ़ते हैं, उस विषय पर एक समझ के साथ-साथ पकड़ भी बन जाती है जिससे उस विषय में हमें सहजता महसूस होती है। अत: यह विषय चयन का एक आधार हो सकता है।

हालांकि यह अनिवार्य नहीं है कि हम स्नातक से संबंधित विषय ही लें। हम कोई अन्य विषय भी ले सकते हैं। विषय चयन के निम्न आधार हो सकते हैं-

- विषय में आपकी रुचि
- अध्ययन सामग्री की उपलब्धता
- अध्ययन में मार्गदर्शन की उपलब्धता, मार्गदर्शन से तात्पर्य है विषय के विशेषज्ञ की मदद मिलना
- उत्तर लेखन में मार्गदर्शन की उपलब्धता
- उपरोक्त आधारों के अलावा एक आधार यह भी हो सकता है कि विगत वर्षों में किस विषय में अच्छे अंक आ रहे हैं। लेकिन यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अच्छे अंक आ रहे हैं, तो यही आधार हो ऐसा जरूरी नहीं है। यह बहुत हद तक स्वयं की उत्तर लेखन शैली और विषय की समझ पर भी निर्भर करता है।

12. क्या वैकल्पिक विषय का चयन करते समय सामान्य अध्ययन के कितने प्रश्न या भाग कवर हो रहे हैं, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए? क्या उस विषय का चयन करना चाहिए जिससे सामान्य अध्ययन का ज्यादा हिस्सा कवर होता है?

- हां, यह चयन का एक पक्ष हो सकता है। बहुत से ऐसे विषय हैं जहाँ सामान्य अध्ययन का कुछ भाग उस विषय के दायरे में आता है जिससे परीक्षा में लाभ मिलता है।
- हालांकि विषय के चयन के लिए विषय में रुचि होना, सामाग्री की उपलब्धता और विषय का आसानी से समझ में आना सबसे महत्वपूर्ण आधार होना चाहिए।

13. जब मैं अपने आस-पास ऐसे लोगों को देखता हूँ जिनका सिविल सेवा में अंतिम रूप से चयन नहीं हो पाया तब मेरा आत्मविश्वास कम होने लगता है। इसके लिए क्या करना चाहिए?

- अधिकतर हमारे आस-पास वही लोग दिखते हैं, जो चयनित नहीं हैं। उनको देखकर आत्मविश्वास कम नहीं होना चाहिए, क्योंकि सबकी अपनी-अपनी रणनीति होती है और अपना तरीका होता है। हमें इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जिनका अंतिम रूप से चयन हुआ है, वो भी हमारे बीच से ही हैं।
- अंतिम चयन के लिए मात्र जानकारी का होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस जानकारी को अभिव्यक्त करने के लिए एक सटीक उत्तर लेखन शैली भी अत्यंत आवश्यक है।

असफलता के कई कारण हो सकते हैं:-

- परीक्षा कक्ष में सीमित समय होता है, जिससे उत्तर की जानकारी होते हुए भी सही तरीके से अभिव्यक्त न कर पाना असफलता का बड़ा कारण है। इसकी एक बड़ी वजह अभ्यास की कमी है।
- परीक्षा के समय दबाव का प्रबंधन नहीं कर पाना जिससे आते हुए प्रश्नों का उत्तर भी गलत हो जाता है या जो तथ्य उत्तर पुस्तिका में लिखने चाहिए वह नहीं लिख पाते।
- सही मार्गदर्शन की कमी, कि क्या पढ़ना चाहिए और क्या नहीं।
- समय प्रबंधन, तथ्यों के प्रयोग और लेखन शैली को लेकर रणनीतिक रूप से व्यक्ति की अक्षमता।

उपाय-

- सकारात्मक नजरिया बनाए रखें। सफल लोगों से मिलें। नकारात्मक विचारों को नजरअंदाज करें।
- अपना आत्मविश्वास कम न होने दें। अपने अंदर की अपार क्षमता और ऊर्जा का सदुपयोग कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।
- अपनी कमियों को पहचानें और उन्हें दूर करें। दूसरों की गलतियों से भी सीख लेते हुए खुद में सुधार लाएं और अपने मार्ग पर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते जायें।

14. लड़कियों पर पारिवारिक दबाव अधिक होता है, जिसके कारण पढ़ायी में एकाग्रता नहीं बन पाती है। इसके लिए लड़कियाँ क्या करें?

- खुद को लक्ष्य पर केन्द्रित करें और अपनी पूरी लगन और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय का समुचित प्रयोग करें।
- अपने माता-पिता और परिवार को विश्वास दिलाएँ कि हम लक्ष्य प्राप्त करेगें।
- अगर पहले चरण में सफलता मिल जाती है, तो अभिभावक और परिवार का विश्वास बढ़ता है। अत: लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करें।
- आगे क्या कठिनाईयाँ आयेंगी उसके लिए नकारात्मक सोच न रखकर, वर्तमान को बेहतर बनाने का प्रयास करें।
- स्वयं के प्रेरणा स्रोत बनें। छोटे-छोटे लक्ष्य बनायें और पूरा करें जिससे आत्मविश्वास मजबूत होगा।

15. कोचिंग का चयन कैसे करें?

- कोचिंग का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं बल्कि समझ का दायरा बढ़ाना है। कोचिंग हमें सिखाता है कि परीक्षोपयोगी विषयों और तथ्यों को कैसे पढ़ना है। इसके साथ ही यह प्रश्नों की मांग के अनुसार दृष्टिकोण विकसित कराने में भी सहायक होता है।
- किसी कोचिंग का चयन उसकी उपलब्ध सामग्री के आधार पर न करें, क्योंकि कक्षा में शिक्षक के पढ़ाने का तरीका कैसा है, यह अधिक मायने रखता है।
- ट्रायल क्लास द्वारा सही कोचिंग संस्थान का निर्णय लिया जा सकता है, क्योंकि ट्रायल क्लास से कोचिंग की गुणवत्ता का पता चल जाता है।

16. सिविल सेवा की तैयारी के लिए क्या स्व-अध्ययन (Self Study) पर्याप्त है या कोचिंग की अनिवार्यता है?

- सही मार्गदर्शन और समय बचत हेतु कोचिंग आवश्यक है। कोचिंग के कुछ लाभ तो कुछ हानियाँ दोनों हैं।

कोचिंग के लाभ-

- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर समझ विकसित करने के साथ-साथ किसी विषय और तथ्य को कैसे पढ़ना और प्रयोग करना है, आदि बातों में कोचिंग सहायक की भूमिका निभाती है।
- समय प्रबंधन तथा उचित मार्गदर्शन में सहायक, क्योंकि बाजार में तरह-तरह की अध्ययन सामग्री उपलब्ध हैं। ऐसे में क्या पढ़ना चाहिए और क्या छोड़ना चाहिए, के चयन में कोचिंग मार्गदर्शक का काम करती है।
- निरंतरता बढ़ती है, जिससे हममें पढ़ने की आदत विकसित होती है।
- एक अच्छा ग्रुप मिल सकता है। प्रतिस्पर्धा का माहौल मिलता है। ग्रुप में चर्चा करके किसी विषय को विभिन्न आयाम से सोचने की क्षमता विकसित होती है।
- उचित अध्ययन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित होती है जिससे हम सामग्री को लेकर भटकाव से बच जाते हैं।

कोचिंग से हानि-

- यदि सही कोचिंग का चयन नहीं हुआ तो वह आपको आपके लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पायेगी और आपकी ऊर्जा, लगन एवं मेहनत का सही उपयोग नहीं हो पायेगा।
- गलत कोचिंग से समय की बर्बादी होती है।
- सही कोचिंग न होने से आर्थिक क्षति भी पहुंचती है और परिणाम कुछ भी नहीं निकलता जिसके कारण घर से भी दबाव बनता है।
- भटकाव की संभावना रहती है।

17. कौन-सा समाचार-पत्र (Newspaper) पढ़ा जाना चाहिए?

- एक या दो समाचार-पत्र पर्याप्त होते हैं, बशर्ते उनकी भाषा और गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए।
- अंग्रेजी में - The Hindu और Indian Express पर्याप्त हैं।
- हिन्दी में- दैनिक जागरण का राष्ट्रीय संस्करण, भास्कर, जनसत्ता आदि पर्याप्त हैं।
- ये सभी पेपर इंटरनेट पर 'e-paper' के रूप में भी उपलब्ध हैं।

18. हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए भी क्या 'The Hindu' समाचार-पत्र पढ़ना आवश्यक है?

नहीं, यह अनिवार्य नहीं है। बहुत सारे ऐसे सफल छात्र हैं जिन्होंने The Hindu नहीं पढ़ा। The Hindu में स्थानीय समाचार को महत्व न देकर राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और समसामायिक मुद्दों को प्राथमिकता दी जाती है। अत: यही विषय हमें जिस समाचार-पत्र में मिलें वह लाभदायक होगा।

19. समाचार पत्र को किस प्रकार पढ़ा जाये?

- वर्तमान घटनाक्रम के मुद्दों और पारम्परिक विषयों को साथ जोड़कर पढ़ें जिससे घटना की प्रासंगिकता का पता चलेगा।
- किसी भी मुद्दे को पाठ्यक्रम के अलग-अलग भाग से जोड़ने का प्रयास करें जिससे आपकी तैयारी बेहतर होगी, क्योंकि अधिकांश प्रश्न समसामयिक मुद्दों से संबंधित होते हैं।
- कुछ खबरें जो लगातार बनी रहती हैं, उन्हें ध्यान में रखें और अंतत: जो निष्कर्ष प्राप्त हो उसे नोट कर लें और उन्हें प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा के अनुसार पाठ्यक्रम से जोड़ कर पढ़ें।
- घटनाओं के प्रमुख तथ्यों को लिख लें जो तैयारी में लाभदायक साबित होगा।
- घटनाओं को एक रजिस्टर में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, आर्थिकी तथा पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी आदि विषयों के रूप में अलग-अलग करके लिख लें। यह तरीका परीक्षा के दौरान बहुत लाभदायी होगा।
- महत्वपूर्ण संपादकीय लेखों को काट के अलग रख लें या सम्पादकीय के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर नोट्स बना लें जो कि निबंध और मुख्य परीक्षा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

20. समसामयिक (Current) घटनाओं को प्रश्न के उत्तर के साथ किस प्रकार जोड़ा जाये?

आप अपने उत्तर में समसामयिकी घटनाओं को प्रश्न की माँग के अनुरूप पारम्परिक विषयों से जोड़कर लिख सकते हैं।

21. क्या सिविल सेवा के साथ-साथ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की भी तैयारी की जा सकती है?

- अवश्य ही तैयारी की जा सकती है। कई राज्य ऐसे हैं जिनकी परीक्षा की प्रक्रिया एवं प्रणाली संघ लोक सेवा आयोग के समान ही है।
- हालांकि संघ और राज्य लोक सेवा आयोग की प्रकृति में भिन्नता होती है, लेकिन अधिकांश विषय समान ही होते हैं। कुछ प्रश्न प्रत्येक राज्य में राज्य विशेष के होते हैं। वहां कुछ अलग से परिश्रम की आवश्यकता होती है।
- राज्यों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में तथ्यों की प्राथमिकता होती है, (हालांकि राज्यों में भी अब बदलाव शुरू हो गया है) जबकि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अवधारणा या संकल्पना की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको दोनों (तथ्य व अवधारणा) के बीच सामंजस्य बिठाकर तैयारी करनी होगी।
- अगर हम देखें तो पाठ्यक्रम में बहुत अधिक अंतर नहीं है। सही रणनीति और सही तालमेल के साथ तैयारी की जा सकती है।

22. कौन-कौन सी पत्रिकाएँ (Magazines) पढ़नी चाहिए।

- योजना, कुरूक्षेत्र एवं विज्ञान प्रगति। इससे आपकी जानकारी और समझ विकसित होती है।
- कोई भी ऐसी पत्रिका पढ़ें जो स्तरीय एवं त्रुटिरहित हो। इससे आपको देश-देशांतर की घटनाओं की जानकारी एक ही जगह मिल जाती है। इस संदर्भ में ध्येय IAS की Perfect 7 पत्रिका काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

23. मुझे तैयारी के लिए केवल एक वर्ष का समय मिला है। क्या मैं इतने कम समय में IAS बन सकता हूँ?

- वैसे UPSC की तैयारी के लिए कम से कम एक से दो साल के गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है, क्योंकि पाठ्यक्रम बहुत विस्तृत है और विषय पर समझ एवं पकड़ बनाना आवश्यक होता है। अत: इसमें समय लगता है।
- विषय पर समझ को लेकर और प्रश्नों के बदलते स्वरूप को लेकर एक वर्ष के समय में थोड़ी कठिनाई हो सकती है परन्तु बेहतर रणनीति, सही मार्गदर्शन और लगन के साथ इसे एक वर्ष में भी किया जा सकता है।
- इसके लिए व्यक्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि, उसकी शैक्षणिक योग्यता अर्थात् आधारभूत जानकारी आदि उसकी तैयारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर यह सब अनुकूल है तो इसके साथ-साथ कड़ी मेहनत करके सफलता पायी जा सकती है।
- शुरूआत में निरंतरता की कमी तथा विचलन अधिक होता है। पाठ्यक्रम अत्यंत विस्तृत प्रतीत होता है। मन में ऐसे विचार आते हैं कि इतने कम समय में तैयारी संभव नहीं है। ऐसे नकारात्मक विचारों को नज़र अंदाज करते हुए लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना होगा।
- एक वर्ष के लिए बेहतर रणनीति के साथ-साथ आप जो पढ़ रहे हैं उसका मूल्यांकन करते रहना आवश्यक है जिससे आपको पता चलता रहेगा कि तैयारी सही दिशा में चल रही है या नहीं।

24. क्या तैयारी के लिए नोट्स बनाना आवश्यक है?

- नोट्स का मतलब किताब में लिखी विस्तारपूर्वक जानकारी को संक्षेप में और महत्वपूर्ण जानकारी को सरल और सहज भाषा में लिखना होता है।

- नोट्स बिन्दुवार (Point Form) या Flow Chart के रूप में हो सकते हैं जिससे कम पृष्ठों में अधिक जानकारी लिखी जा सके।
- नोट्स का सबसे अधिक लाभ परीक्षा के दौरान कम समय में पुनरवलोकन (Revision) में होता है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।
- नोट्स अपनी भाषा और अपनी शैली में बनाना चाहिए, जिससे लेखन शैली में सुधार आता है।

25. क्या इसकी तैयारी के लिए दिल्ली में रहना आवश्यक है, या मैं घर से ही तैयारी कर सकता हूँ?

- यह अनिवार्य नहीं है। सिविल सेवा हमेशा से ही एक आकर्षक कैरियर रहा है जिसकी वजह से परीक्षार्थियों की बढ़ती संख्या को देखकर बहुत जगह कोचिंग संस्थान खुल रहे हैं। अब दिल्ली ही केवल केन्द्र नहीं रहा।
- हालाँकि आपको एक सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, वो आप को जहाँ सुविधाजनक हो आप ले सकते हैं।
- यदि आप के आस-पास अच्छे कोचिंग संस्थान उपलब्ध हैं, तो वहाँ से आप तैयारी में मदद ले सकते हैं।
- यदि आस-पास कोचिंग की सुविधा न हो तो दिल्ली से कोचिंग करके, घर जाकर तैयारी कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कोचिंग के संपर्क में बने रहें और अपना मूल्यांकन करते रहें, जिससे आपकी तैयारी अच्छी होगी।

26. NCERT की पुस्तकों को कैसे पढ़ें?

- NCERT की पुस्तकें कहानी द्वारा विषयवस्तु को समझाने का प्रयास करती हैं जिनमें बहुत ही सरल भाषा का प्रयोग होता है। उसका अर्थ समझें और कहानियों का आज के समय से जोड़कर सोचें और समझने का प्रयास करें।
- यह गागर में सागर के समान होती है। NCERT आपके सोचने समझने की क्षमता को विकसित करती है और तैयारी में आधारभूत संरचना की भूमिका निभाती है। इसके Key Words को समझें और उसका प्रयोग उत्तर लेखन में करें।
- इसमें दिए गये प्रश्नों को हल करें, जिससे उत्तर लेखन शैली अच्छी होगी और साथ ही विषय पर पकड़ मजबूत होगी।
- इससे प्राथमिक जानकारी प्राप्त करके, उसकी समाचार-पत्र और पत्रिका से जोड़कर पढ़ सकते हैं जिससे आपके पास उस विषय की जानकारी बढ़ेगी और उसमें समझ विकसित होगी।

27. क्या India Year Book को पढ़ना अनिवार्य है?

- हाँ, यह अवश्य पढ़ना चाहिए क्योंकि इसमें भारत सरकार की योजनाओं, नीतियों, उपब्धियों, चुनौतीयों एवं आवश्यकताओं पर विस्तृत जानकारी होती है जो परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।
- पूरी किताब संभव न हो तो कुछ चयनित अध्याय जरूर पढ़ें, जैसे- पर्यावरण, वित्त, संस्कृति तथा पर्यटन, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास, न्याय एवं विधि, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण, ग्रामीण तथा शहरी विकास, कृषि आदि। ये अध्याय परीक्षा के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसे पाठ्यक्रम के अनुसार प्रयोग करें।

28. टेस्ट सीरीज तैयारी में कहाँ तक सहायक हैं?

- ये अत्यधिक सहायक हैं क्योंकि इसके दौरान परीक्षा कक्ष जैसा माहौल मिलता है जिससे मानसिक तौर पर मजबूती मिलती है।
- समयबद्ध रूप सें तैयारी का स्वमूल्यांकन होता है। हम टेस्ट सीरीज के साथ पूरा पाठ्यक्रम पढ़ते हैं और मूल्यांकन करते हैं, जिसका परीक्षा में उचित लाभ मिलता है।
- परीक्षा कक्ष का जो दबाव होता है, उससे निपटने की आदत विकसित होती है जिससे दबाव के बावजूद भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता विकसित होती है।
- टेस्ट में अगर अच्छे अंक आते हैं तो आत्मविश्वास बढ़ता है और मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है क्योंकि लगातार अच्छे अंक प्राप्त करना होता है।
- अगर अंक कम मिलते हैं तो सुधार का मौका मिलता है। हमें अपनी कमियां पता चलती हैं जिसे समय रहते दूर किया जा सकता है।

29. अगर मैं जॉब में हूँ तो UPSC की तैयारी किस प्रकार से कर सकता हूँ?

- जॉब की प्रकृति किस प्रकार की है यह मायने रखती है। आपको सामंजस्य बिठाना होगा। साथ ही ऐसी परिस्थिति में समय प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है।
- कार्यालय के दौरान समसामायिकी के लिए न्यूज पेपर को पढ़ा जा सकता है। महत्वपूर्ण मुद्दों को Highlight कर सकते हैं और घर लौटकर उनका नोट्स बना सकते हैं।
- लक्ष्य साप्ताहिक होने चाहिए जिससे आपको ऊबाऊपन महसूस नहीं होगा और रूचि बनी रहेगी। साप्ताहिक लक्ष्य पूरा होने पर आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- सप्ताहांत का सदुपयोग करें। सप्ताह भर में जो पढ़ा है उसका Revision करें एवं टेस्ट द्वारा मूल्यांकन करें।
- पढ़ाई की रणनीति घंटो के आधार पर नहीं बल्कि टॉपिक के आधार पर बनाए, जिससे आपको समय की कमी को लेकर नकारात्मक विचार नहीं आयेंगे। अध्ययन की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है ना कि मात्रा।
- दबाव में स्मार्ट रणनीति की आवश्यकता होती है। जो भी पढ़ें अच्छे से पढ़ें। तथ्यों को लिंक करके पढ़ें। चयनित पढ़ें तथा उत्तर लेखन शैली बेहतर बनाएं।

30. मैं अगर विज्ञान की पृष्ठभूमि का हूँ तो क्या कला (Arts), मानविकी (Humanities) का विषय रख सकता हूँ?

- हाँ, इन विषयों को आप रख सकते हैं। यहां आप अपनी सुविधा अनुसार कोई भी विषय ले सकते हैं। ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि आप जिस पृष्ठभूमि से हैं वही विषय लें।

- वैसे जिस विषय में आपकी रूचि हो और जो विषय सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में सहायक हो उसका चयन आप कर सकते हैं। विषय का चयन पूर्णत: आपकी स्वेच्छा पर निर्भर करता है।

31. मैं दिनचर्या (Routine) का पालन नहीं कर पाता हूँ।

- दिनचर्या में लचीलापन होना चाहिए लेकिन कार्यों की प्राथमिकता तय होनी चाहिए, जिससे दिनचर्या नहीं खराब होगी।
- प्रतिदिन के स्थान पर साप्ताहिक मूल्यांकन करें और सुधार करने की कोशिश करें।
- दिनचर्या को बोझ न समझे। उसको जीवन का भाग बनायें। इससे दिनचर्या व्यवहारिक बनेगी।
- आप अपने दिनचर्या में खेल, संगीत, मूवी आदि मनोरंजन वाली गतिविधियाँ जोड़ सकते हैं जिससे ऊर्जा बनी रहेगी।

32. अकेले पढ़ना चाहिये या ग्रुप में पढ़ना जरूरी है?

Group Study के लाभ और हानि दोनों हैं।

लाभ-

- विषय पर अलग आयाम से सोचने का मौका मिलता है और सोच का दायरा विस्तृत होता है। विषय पर संतुलित पकड़ विकसित होती है।
- तार्किक क्षमता का विकास होता है। विषय पर सोचने-समझने और क्या महत्वपूर्ण हो सकता है, का दृष्टिकोण बनता है।
- अपने कमजोर पक्ष की जानकारी मिलती है जिससे उसको दूर किया जा सकता है।
- संवाद कला और व्यक्तित्व में निखार आता है।

हानि-

- अगर अच्छे विद्यार्थी ग्रुप में न हों तो समय की बर्बादी होती है और भटकाव की स्थिती उत्पन्न हो सकती है।
- ग्रुप में छात्र समान स्तर के नहीं हैं, तो नकारात्मकता बढ़ सकती है। परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो पायेगी।

33. परीक्षा नजदीक आने पर दबाव बढ़ने लग जाता है। इस समय पढ़ाई की क्या रणनीति होनी चाहिए?

- परीक्षा नजदीक आने पर कोई भी नई किताब या नोट्स न पढ़ें, क्योंकि उससे दबाव महसूस होगा और कुछ भी नया याद कर पाना मुश्किल होगा।
- अपने बनाए हुए नोट्स या पढ़ी हुई किताबों को बार-बार दुहराएँ। आपमें आत्मविश्वास बढ़ेगा क्योंकि आपने उनको कई बार पढ़ रखा है, जिससे वो आसानी से याद हो जायेगा।
- नकारात्मक लोगों से दूर रहें, सकारात्मक लोगों से मिलें।
- आत्मविश्वास बनाए रखें। जो अभी तक पढ़ा है यदि उस पर आपकी पकड़ अच्छी है, तो वहां से आप निश्चिन्त हो जाते हैं और उन विषयों से पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम हो जाते हैं।
- कुछ प्रेरणादायक पुस्तकों को पढ़ सकते हैं। आप पायेंगे कि जो दबाव में भी दृढ़ता से खड़े रहे अंतत: वे ही सफल हुए, इससे आपको प्रेरणा मिल सकती है।

मैं अपने अध्ययन के शुरूआती दौर से ही ध्येय IAS के श्री विनय सर से मार्गदर्शन लेता रहा हूँ। साक्षात्कार हेतु भी उनके द्वारा प्रदान की गयी जानकारी अत्यंत लाभप्रद रही है। अपने इस प्रयास में भी मैं उनसे निरंतर संपर्क में रहा जिसका लाभ मुझे मिला। साथ ही साथ क्यू. एच. खान सर द्वारा विज्ञान प्रौद्योगिकी में दिया गया मार्गदर्शन भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

श्रीमन शुक्ल
RANK-18

सिविल सेवा दिवस पर हमारे बोर्ड के सदस्यों का संदेश

सिविल सेवा किसी भी राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण सम्पदा होती है क्योंकि यह उन सार्वजनिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में मदद करती है जिन पर कोई व्यवसाय, नागरिक अथवा व्यक्ति निर्भर होता है। सिविल सेवा दिवस प्रशंसा और मूल्यांकन के साथ-साथ आत्मनिरीक्षण का भी अवसर प्रदान करता है क्योंकि 21वीं सदी की समस्याएँ काफी जटिल प्रवृत्ति की हैं और इन्हें सुलझाने के लिए नौकरशाही की अग्र-सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। सिविल सेवा दिवस पर मैं सभी सिविल सेवकों को बेहतर भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ।

- श्री एन.सी. सक्सेना
पूर्व सचिव, भारत सरकार

सिविल सेवा दिवस हमें लोक सेवा के महत्व के साथ-साथ उन लोगों को भी याद कराता है जो दिन-प्रतिदिन राष्ट्र की सफलता के लिए समर्पित रहते हैं। यह दिवस इस बात को भी दर्शाता है कि लोकतंत्र की सफलता और सुशासन की नींव एक सक्षम लोक सेवा पर ही निर्भर होती है। यह दिवस सिविल सेवा की भूमिका, दक्षता एवं दूरदर्शिता की अभिवृद्धि करने में सहायक होता है। इस दिवस पर मैं उन अभूतपूर्व अधिकारियों के प्रति अपना आदर प्रकट करता हूँ जो हमें प्रतिदिन गौरवान्वित करते हैं।

-श्री शशांक
पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार

सिविल सेवक हमारे देश के 1.3 बिलियन नागरिकों के ध्येय को पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नीति निर्माण के कार्य में सरकार को सहायता व सुझाव देने का उत्तरदायित्व सिविल सेवकों का ही है। इस सिविल सेवा दिवस पर सिविल सेवकों को अपनी भूमिका की अहमियत को समझना चाहिए। साथ ही उन्हें सुशासन के सिद्धांतों जैसे पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं निष्पक्षता को आत्मसात करना चाहिए।

-श्री एस.वाई. कुरैशी
सेवानिवृत्त IAS, भूतपूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

भारत में सुशासन को लागू करने में अत्यधिक व्यापक चुनौतियां हैं। केवल सक्षम सिविल सेवकों द्वारा प्रबंधित गुणवत्तायुक्त सरकारी संस्थाएँ ही इन चुनौतियों के समाधान में सहायक हो सकती हैं। हालाँकि अभी भी काफी कुछ किया जाना बाकी है फिर भी विश्व के दूसरे दौर के लोकतांत्रिक देशों की तुलना में भारत की प्रगति इस बात का सबूत है कि भारतीय सिविल सेवकों ने अब तक सराहनीय कार्य किया है। सिविल सेवा दिवस अतीत में झांककर सिविल सेवा की सफलताओं और कमियों का आकलन करने का अवसर है जिससे भविष्य की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने के लिए और सुशासन व क्षमता निर्माण के लिए विशिष्ट तरीके इज़ाद किये जा सकें। अनेक चुनौतियों के बावजूद भारतीय सिविल सेवा में देश को विश्वशक्ति बनाने एवं हम सभी को गौरवान्वित करने के लिए पर्याप्त शक्ति और क्षमता विद्यमान है।

-श्री.नूर मोहम्मद
सेवानिवृत्त IAS, भूतपूर्व सचिव NDMA

सिविल सेवा दिवस भारत में सिविल सेवा के प्रदर्शन को प्रतिबिम्बित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। साथ ही सिविल सेवकों को विभिन्न क्षेत्रों में सुशासन के लिए जो महत्वपूर्ण भूमिका दी गयी है, उस ओर भी इंगित करता है। शिक्षा के व्यापक प्रसार एवं अपने अधिकारों के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण नागरिकों की लोक सेवकों से अपेक्षाएँ कई गुना बढ़ गयी हैं। भारत की गरीबी, बेरोजगारी, आय और धन की असमानता ने चुनौतियों को और अधिक दुष्कर बना दिया है। अत: सिविल सेवकों को इस चुनौतीपूर्ण वातावरण से निपटने के लिए स्वयं को तैयार रखना होगा। इसके लिए सिविल सेवकों को सिविल सेवा दिवस पर इस बात की प्रतिज्ञा लेनी होगी कि वे लोकप्रशासन के आधारभूत मूल्यों जैसे ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पक्षपात रहित व्यवहार और इन सबसे बढ़कर न्यासिता के सिद्धांत को सदैव ऊपर रखेंगे।

-श्री.मंजीत सिंह
सेवानिवृत्त IAS, भूतपूर्व गृह सचिव व वित्त

भारत में सिविल सेवा सर्वाधिक प्रतिष्ठित व्यवसाय है। युवाओं में इसके महत्व की समझ को देखकर सुखद अनुभूति होती है। भारत में सिविल सेवा की परीक्षा विश्व की कठिनतम परीक्षाओं में से एक है। परिणामस्वरूप भारतीय प्रशासक अपनी प्रतिभा के लिए सुविख्यात हैं। ये अलग बात है कि भारत में नौकरशाही की प्रभावोत्पादकता कुछ आंतरिक एवं बाह्य कारकों के कारण अपेक्षाकृत कम है। इन कारकों ने इनकी कार्यक्षमता को प्रभावित किया है। इस सिविल सेवा दिवस पर सरकार द्वारा सिविल सेवा की प्रभावोत्पादकता में सुधार लाने के लिए मजबूत कदम उठाये जाने की आवश्यकता है।

- विभूति नारायण राय
सेवानिवृत्त IPS, भूतपूर्व DGP (उ.प्र.)

सरकार की गुणवत्ता प्रमुख रूप से इसके लोक संस्थानों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है और लोक संस्थानों की गुणवत्ता व्यापक रूप से सिविल सेवकों की एवं उन लोगों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है, जो इसका प्रबंधन करते हैं। एक सफल सिविल सेवक के लिए मेरा मंत्र है, ''पूरी सत्यनिष्ठा और विनम्रता के साथ उच्च गुणवत्तायुक्त सेवा प्रदान करना।'' भारत में नौकरशाही की संवृद्धि और विकास के लिए सिविल सेवा दिवस एक उपयुक्त अवसर है। केवल एक योग्य एवं सक्षम नौकरशाही द्वारा ही भारत का एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना साकार हो सकता है।

-श्री.ए.एच.के.गौरी
सेवानिवृत्त IRS, भूतपूर्व प्रशासनिक सलाहकार-ब्रिटिश सरकार

सिविल सेवा दिवस इस बात की समीक्षा और विचार करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हमने अपने कर्त्तव्यों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निभाया है या नहीं। इस उद्देश्य के लिए जनहित को मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाया जा सकता है। सिविल सेवक सरकार के आँख और कान होते हैं तथा नीति निर्माण और इसके क्रियान्वयन में सरकार को सलाह देने के लिए उत्तरदायी होते हैं। एक विकसित राष्ट्र निर्माण में सिविल सेवा रीढ़ की हड्डी होती है।

-श्री.एस.के.मिश्रा
सेवानिवृत्त IRS, भूतपूर्व सदस्य CBEC
(वर्तमान में CBIC)

NCERT की महत्वपूर्ण पुस्तकें

सामान्य अध्ययन

Class VI

- सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन–I
- हमारे अतीत–I
- पृथ्वी हमारा आवास
- विज्ञान
- **Social and Political Life-I**
- **Our Past-I**
- **The Earth Our Habitat**
- **Science**

Class VII

- सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-II
- हमारे अतीत–II
- हमारा पर्यावरण
- विज्ञान
- **Social and Political Life-II**
- **Our Past-II**
- **Our Environment**
- **Science**

Class VIII

- सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-III
- हमारे अतीत–III
- संसाधन और विकास
- विज्ञान
- **Social and Political Life-III**
- **Our Past-III**
- **Resource and Development**
- **Science**

Class IX

- लोकतांत्रिक राजनीति-I
- समकालीन भारत-I
- अर्थशास्त्र
- भारत और समकालीन विश्व–I
- विज्ञान
- **Democratic Politics-I**
- **Contemporary India-I**
- **Economics**
- **India and the Contemporary World-I**
- **Science**

Class X

- लोकतांत्रिक राजनीति-II
- समकालीन भारत-II
- आर्थिक विकास की समझ
- भारत और समकालीन विश्व–II
- विज्ञान
- **Democratic Politics-II**
- **Contemporary India-II**
- **Understanding Economic Development**
- **India and the Contemporary World-II**
- **Science**

समाजशास्त्र

Class XI

• समाज का बोध	• Understanding Society

Class XII

• भारतीय समाज	• Indian Society
• भारत में सामाजिक परिवर्तन और विकास	• Social Change and Development in India

राजनीति विज्ञान

Class XI

• राजनीतिक सिद्धांत	• Political Theory
• भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार	• India Constitution at Work

Class XII

• समकालीन विश्व राजनीति	• Contemporary World Politics
• स्वतंत्र भारत में राजनीति	• Politics in India since Independence

भूगोल

Class XI

• भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत	• Fundamental of Physical Geography
• भारत : भौतिक पर्यावरण	• India : Physical Environment

Class XII

• मानव भूगोल के मूल सिद्धांत	• Fundamentals of Human Geography
• भारत : लोग और अर्थव्यवस्था	• India : People and Economy

इतिहास

Class XI

• विश्व इतिहास के कुछ विषय	• Themes in World History

Class XII

• भारतीय इतिहास के कुछ विषय-I	• Themes in Indian History-I
• भारतीय इतिहास के कुछ विषय-II	• Themes in Indian History-II
• भारतीय इतिहास के कुछ विषय-III	• Themes in Indian History-III

अर्थव्यवस्था

Class XI

• भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	• Indian Economic Development

Books & Magazines of DHYEYA IAS

कक्षा अध्ययन सामग्री

एक व्यापक एवं सारगर्भित अध्ययन सामग्री होती है जो कक्षा में पढ़ाये जाने वाले विषय के सम्पूरक के रूप में कार्य करती है। इसे तैयारी की शुरूआत करने वाले छात्रों से लेकर तैयारी में निपुणता हासिल कर लिये छात्रों तक, सभी की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है।

& Many more...

Sprinter (Questions & Answers for Mains)

इस श्रृंखला की पुस्तकों को पूर्णत: सिविल सेवा की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इनमें न्धेि के विगत वर्षों के प्रश्नों का सारगर्भित एवं सटीक उत्तर प्रदान करने के साथ-साथ आगामी परीक्षाओं के लिए अति संभावित प्रश्नों एवं उनके प्रमाणिक उत्तरों को समसामयिक मुद्दों से जोड़ते हुए संकलित किया गया है। इनमें जटिल प्रश्नों को सरल एवं प्रवाहपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

साप्ताहिक पत्रिका

इस साप्ताहिक पत्रिका में पूरे सप्ताह भर की घटनाओं का संकलन विश्लेषणात्मक लेखों के रूप में किया जाता है। इसकी विषय सामग्री सिविल सेवा परीक्षा की विशिष्ट माँग को देखते हुए वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत की जाती है। इसमें तथ्यात्मक जानकारी, लेखों, निबंध और माडल उत्तर का संतुलित प्रस्तुतिकरण होता है। इसमें सप्ताह भर के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत 40 से 50 पेजों में समेट लिया जाता है जिससे छात्रों के लिए इसे पढ़ना, समझना और उसे याद रखना बेहद आसान हो जाता है।

वार्षिक पत्रिका

इसके अंतर्गत वर्ष भर के महत्वपूर्ण समसामयिक मुद्दों को विषयवार संकलित किया जाता है। इसे विशेष रूप से सिविल सेवा की परीक्षा की तिथियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है जिससे परीक्षार्थियों के अमूल्य समय का महत्तम सदुपयोग सुनिश्चित हो सके।

Snippet-365

Snippet – 365 को विशेष रूप से सिविल सेवा के प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। इसके अन्तर्गत मुख्यत: गैर-पारम्परिक विषयों के उन बिंदुओं एवं मुद्दों को समाहित किया जाता है, जहाँ से पिछले चार-पाँच वर्षों में UPSC प्रश्न पूछ रही होती है। उल्लेखनीय है कि यह केवल एक समसामयिक पत्रिका नहीं है, बल्कि इसमें कई उन मुद्दों को भी शामिल किया जाता है जो सीधे तौर पर तो खबरों में नहीं रहते हैं, परंतु वहाँ से प्रश्न पूछे जाने की संभावना बनी रहती है। इसमें मौजूदा वर्ष से लेकर विगत वर्षों के सभी अतिमहत्वपूर्ण मुद्दों को समाहित करने का प्रयास किया जाता है, चाहे वे अप्रत्यक्ष रूप से पारम्परिक विषयों से ही क्यों न संबंधित हों।

प्रियंका निरंजन
RANK-20

ध्येय IAS के श्री विनय सर के निर्देशन में अपनी तैयारी करना अत्यंत ही महत्वपूर्ण एवं लाभप्रद सिद्ध हुआ। सर ने मेरी लेखन क्षमता के विकास एवं पाठ्य सामग्री की उपलब्धता में विशेष रूप से मदद की।

CURRENT AFFAIRS WEEKLY

सिविल सेवा परीक्षा के प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न विषयों जैसे अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, विज्ञान प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण इत्यादि में सम-सामयिकी की भूमिका अत्यधिक बढ़ गयी है। सामान्यत: सम-सामयिकी की तैयारी हेतु छात्रों की निर्भरता बाजार में आने वाली विभिन्न मासिक पत्रिकाओं पर होती है। चूंकि ये सम-सामयिकी आधारित मासिक पत्रिकाएं विभिन्न एक दिवसीय परीक्षाओं को भी ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं। अत: ये अपनी प्रकृति में तथ्यात्मक होती हैं, जोकि सिविल सेवा परीक्षा की विशिष्ट माँग को पूरा नहीं कर पाती हैं। इसके साथ ही पूरे माह की तथ्यात्मक जानकारी का यह संकलन मात्र सूचनापरक होता है जबकि सिविल सेवा परीक्षा की माँग विभिन्न सम-सामयिक घटनाओं के अवधारणात्मक पक्षों एवं उनके विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित है। इन मासिक पत्रिकाओं की एक व्यावहारिक समस्या यह भी है कि इसमें प्रस्तुत सूचनापरक जानकारी माह भर पुरानी हो जाती है और छात्र प्रतिदिन के समाचार पत्र के साथ इसका तादात्म्य स्थापित नहीं कर पाता है। इसके साथ ही इन मासिक पत्रिकाओं द्वारा छात्रों पर एक बारगी पूरे माह भर की सूचनाओं की बाढ़ आ जाती है, जोकि छात्रों में सिर्फ तनाव उत्पन्न करता है। इस प्रकार ये मासिक पत्रिकाएं सम-सामयिकी की तैयारी हेतु छात्रों के लिये किसी भी प्रकार से सहायक सिद्ध नहीं हो पाती हैं। इसके साथ ही ये सिविल सेवा परीक्षा की विशिष्ट विश्लेषणात्मक माँग को भी पूरा नहीं कर पाती हैं।

छात्रों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुये ध्येय IAS के द्वारा साप्ताहिक आधार पर करेंट अफेयर्स हेतु सिविल सेवा परीक्षा की माँग के अनुसार प्रासंगिक और सारगर्भित ढंग से संकलित पत्रिका 'PERFECT - 7' प्रकाशित की जाती है। 'PERFECT - 7' में पूरे सप्ताह भर की घटनाओं का संकलन विश्लेषणात्मक लेखों के रूप में विभिन्न स्रोतों से किया जाता है। ये लेख द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस, इकोनॉमिक्स टाइम्स, पीआईबी इत्यादि से संबंधित होते हैं। 'PERFECT - 7' की विषय सामग्री सिविल सेवा परीक्षा की विशिष्ट माँग को देखते हुए वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत की जाती है। इसमें तथ्यात्मक जानकारी, लेखों, निबंध और माडल उत्तर का संतुलित प्रस्तुतिकरण होता है। इसमें सप्ताह भर के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत 40 से 50 पेजों में समेट लिया जाता है जिससे छात्रों के लिए इसे पढ़ना, समझना और उसे याद रखना बेहद आसान हो जाता है।

Perfect 7 की विशेषताएँ

सिविल सेवा की परीक्षा के लिए एक बेहतर पत्रिका के मानक		Perfect 7	अन्य
• साप्ताहिक	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• सिविल सेवा परीक्षा केन्द्रित दृष्टिकोण	हिन्दी	✓	*
	अंग्रेजी	✓	*
• वर्तमान मुद्दों का सूक्ष्म-विश्लेषण, न कि केवल तथ्यों की भरमार	हिन्दी	✓	*
	अंग्रेजी	✓	*
• महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए ब्रेन बूस्टर्स	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• ब्रेन बूस्टर्स पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न एवं उनके उत्तर	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• प्रत्येक लेख के लिए प्रश्न एवं उनके मॉडल उत्तर	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×
• महत्वपूर्ण सिद्धांतों का चित्र एवं ग्राफिक्स के माध्यम से प्रस्तुतिकरण	हिन्दी	✓	×
	अंग्रेजी	✓	×

(* कुछ संस्थान)

पिछले 18 वर्षों में हमारे संस्थान से IAS में 1650+ एवं PCS में 2500+ चयन हुए हैं

KANISHAK KATARIA
RANK 1

JUNAID AHMED
RANK 3

SAUMYA PANDEY
RANK 4

LOK BANDHU
RANK 7

SURYAPAL GANGWAR
RANK 8

JAIPRAKSH MAURYA
RANK 9

MAHESH KUMAR
RANK 14

SHIVANI GOYAL
RANK 15

SHWETA SINGHAL
RANK 17

SRIMAN SHUKLA
RANK 18

PRIYANKA NIRANJAN
RANK 20

ADESH TITARMARE
RANK 21

NEHA PRAKASH
RANK 22

ANURAJ JAIN
RANK 24

AJIT
RANK 26

DIBYA JYOTI PARIDA
RANK 26

KARMVEER SHARMA
RANK 28

ANJNAY KUMAR SINGH
RANK 29

PARI BISHNOI
RANK 30

GANGA SINGH
RANK 33

ARUN RAJ
RANK 34

GAURAV KUMAR
RANK 34

KANCHAN
RANK 35

BRAHMADEV TIWARI
RANK 37

SHAILENDRA SINGH
RANK 38

POOJA GUPTA
RANK 42

DIVYANSHU NIGAM
RANK 44

ASHWIN MUDGAL
RANK 45

SAURABH GAHARWAR
RANK 46

DEEPAK KUMAR DUBEY
RANK 46

ABHISHEK SINGH
RANK 48

RENJINA MARY V.
RANK 49

RANGASHREE
RANK 50

ILA TRIPATHI
RANK 51

ASHISH MISHRA
RANK 52

SHILPA GARG
RANK 55

SUSHANT GAURAV
RANK 58

RUBAL GUPTA
RANK 59

GIRDHAR
RANK 61

PRASHANT RAJ
RANK 64

ANKIT SHUKL
RANK 66

YASHASVINI B
RANK 71

SHASHANK TRIPATHI
RANK 73

VAIBHAV SRIVASTAVA
RANK 74

AMOL SHRIVASTAVA
RANK 83

PRATEEK JAIN
RANK 86

AYUSHI SINGH
RANK 86

HEMANT SATI
RANK 88

KUNDAN KUMAR
RANK 89

and many more...

5 times Rank 1 in last 8 years of UPPCS

1st RANK
Vaibhav Mishra

1st RANK
Arvind K. Singh

1st RANK
Himanshu Gupta

1st RANK
Abhinav R. Shriwastava

1st RANK
Anuj Nehra

MPPCS TOPPER

1st RANK
Sampada Saraf

BPSC TOPPER

1st RANK
Sanjeev Kumar Sajjan

OUR TOPPERS IN 2019 & 2020

ABHAY SINGH
(SDM) 2019

POONAM GAUTAM
(SDM) 2019

SANT RANJAN
(SDM) 2019

RAKHI SINGH
(SDM) 2019

& many more...

PRASHANT VERMA
(SDM) 2020

LALIT KUMAR MISHRA
(SDM) 2020

RAJESH KUMAR VERMA
(SDM) 2020

ABHISHEK SHUKLA
(SDM) 2020

PINAK PANI DWIVEDI
(SDM) 2020

PCS Programme

ONLINE | OFFLINE

Classroom Programme

- Regular Batch
- Crash Course

Other Programmes

- All India Test Series (Prelims and Mains)
- Crash Course (Prelims and Mains)
- Interview Guidance Programme

FELICITATION PROGRAMME FOR UPSC TOPPERS

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

Face to Face Centres

MUKHERJEE NAGAR	: 9205274741, 9205274742
RAJENDRA NAGAR	: 9205274743
LAXMI NAGAR	: 011-43012556, 9205212500
ALLAHABAD	: 0532-2260189, 8853467068
LUCKNOW (ALIGANJ)	: 0522-4025825, 9506256789
LUCKNOW (GOMTINAGAR)	: 7234000501, 7234000502
GREATER NOIDA	: 9205336037, 9205336038
KANPUR	: 7887003962, 7897003962
BHUBANESWAR	: 8599071555
SRINAGAR (J&K)	: 9205962002

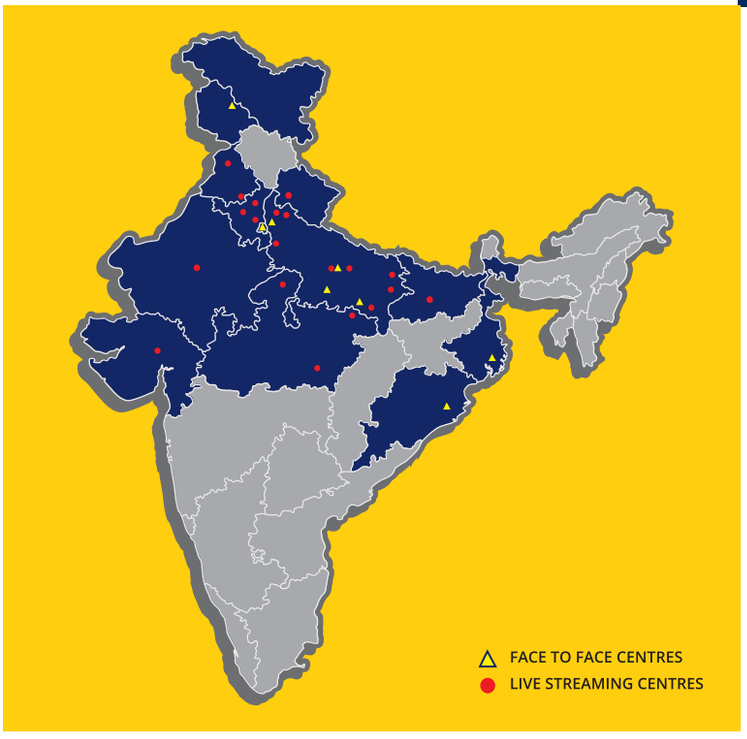

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

Live Streaming Centre

BIHAR – PATNA, **CHANDIGARH**, **DELHI & NCR** – FARIDABAD, **GUJARAT** – AHMEDABAD, **HARYANA** – HISAR, KURUKSHETRA, **MADHYA PRADESH** – GWALIOR, JABALPUR, REWA, **MAHARASHTRA** – MUMBAI, **PUNJAB** – JALANDHAR, PATIALA, LUDHIANA, **RAJASTHAN** – JODHPUR, **UTTARAKHAND** – HALDWANI, **UTTAR PRADESH** – ALIGARH, AZAMGARH, BAHRAICH, BAREILLY, GORAKHPUR, LUCKNOW (ALAMBAGH), MORADABAD, VARANASI

UDAAN (3 YEARS) PROGRAMME

Log on: www.dhyeyaudaan.com
ALIGANJ: 0522-4025825, +91 7570009014
GOMTINAGAR: +91 7234000501, +91 7234000502

dhyeyaias.com